मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 262
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

# असम, केरल, पुडुचेरी में मतदान खत्म, इवीएम में कैद हुई दिग्गजों की किस्मत, 4 मई को फैसला

## असम में 84.42%, केरल में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% मतदान हुआ

**नई दिल्ली, 09 अप्रैल।** असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2026 विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को मतदान खत्म हो गया है। शाम तक मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वोटों की गिनती 4 मई को होनी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरल में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% मतदान हुआ। असम में, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जलुकबारी स्थित अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान किया। वे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के रूप में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और यहीं से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा और उनके बच्चे भी थे। इससे पहले, उन्होंने गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। जलुकबारी लगभग 25 वर्षों से सरमा का गढ़ रहा है। वे 2001 से इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जब उन्होंने असम गण परिषद के नेता भृगु कुमार फुकन को हराया था। इस बीच, चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में सामान्य मतदान दर्ज किया गया। शाम 5 बजे तक, कर्नाटक के बागलकोट में 65.68%, दावनगेरे दक्षिण में 63.04%, नागालैंड के कोरिडांग में 80.62% और त्रिपुरा के धर्मनगर में 79.84% मतदान हुआ।इससे पहले असम में तीन चरणों में कराए गए 2021 के विधानसभा चुनावों में

लगभग 82 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इस बार एक चरण के चुनाव में कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें मुख्य रूप से भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। मतदान केंद्रों के बाहर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों ने बताया कि अपराह्न तीन बजे तक कामरूप के चमारिया में सबसे अधिक 84.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि न्यू गुवाहाटी में सबसे कम 60.57 प्रतिशत मतदान हुआ। लुकबाड़ी सीट से दोबारा चुनाव मैदान में उतरे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कामरूप (मेट्रो) जिले के गराल बुनियादी एलपी स्कूल में अपनी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा, बेटे नंदिल और बेटी सुकन्या के साथ मतदान किया। मतदान से पहले उन्होंने परिवार सहित नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या मंदिर और उत्तर गुवाहाटी के डौल गोविंदा मंदिर में पूजा-अर्चना की। उधर, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपनी मां डॉली गोगोई के साथ जोरहाट के डीसीबी एलपी स्कूल में वोट डाला। अब तक वोट डालने वाले अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में नाजिरा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया, जोरहाट में केंद्रीय मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, खोवांग में असम गण परिषद अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और शिवसागर में रायजोर दल प्रमुख अखिल गोगोई शामिल हैं।

# गैस रिसाव के बाद क्वार्टर में लगी आग, 7 बच्चों समेत 11 लोग झुलसे

**हरियाणा, 09 अप्रैल।** हरियाणा के यमुनानगर जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। बृहस्पतिवार सुबह सलेमपुर बांगर इलाके में प्रवासी मजदूरों के एक आवासीय क्वार्टर में एलपीजी सिलेंडर फटने से 7 बच्चों समेत कुल 11 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

धमाका इतना जोरदार था कि क्वार्टर की दीवारें तक ढह गईं। जगाधरी (सदर) थाना प्रभारी तरसेम कुमार के अनुसार, यह घटना एक स्थानीय कारखाने के पास बने लेबर क्वार्टर में हुई। सुबह के समय एक परिवार लकड़ी के चूल्हे पर खाना बना रहा था। इसी दौरान पास में रखे एक गैस सिलेंडर से रिसाव शुरू हो गया। चूल्हे की चिंगारी ने लीक हो रही गैस को पकड़ लिया, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और सिलेंडर में जबरदस्त विस्फोट

हो गया। विस्फोट के प्रभाव से कमरे की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।उन्होंने बताया, पास में रखे एक सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ और इसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया और फिर इसमें धमाका हुआ, जिससे क्वार्टर की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में दो महीने का एक शिशु, 43 वर्ष के दो पुरुष, एक महिला (40) और 18 वर्षीय युवती शामिल है जबकि अन्य घायल बच्चों की उम्र पांच से 10 वर्ष के बीच बताई गई है।

उन्होंने बताया, घटना के बाद घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से झुलसे आठ लोगों को चंडीगढ़ के एक अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है।

# सीआरपीएफ जवानों के सम्मान और हक के लिए राहुल गांधी का संकल्प, बोले- खत्म होगी नाइंसाफी

**नई दिल्ली, 09 अप्रैल।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी, तो वह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कर्मियों को नेतृत्व के अवसरों से वंचित करने वाली ₹भेदभावपूर्ण व्यवस्था₹ को समाप्त कर देगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें उनके उचित अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त हों। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शौर्य दिवस के अवसर पर गांधी ने कहा कि वे और कांग्रेस पार्टी दोनों सीएपीएफ कर्मियों का सर्वोच्च सम्मान करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने ही बलों के भीतर पदोन्नति के अवसर, शीर्ष नेतृत्व पदों तक पहुंच और उचित सम्मान उनके उचित अधिकार हैं।

गांधी ने हिंदी में एक पोस्ट में

कहा कि सीआरपीएफ वीरता दिवस के अवसर पर, मैं हमारे बल के साहसी और वीर सैनिकों को हार्दिक बधाई देता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विपक्ष के नेता ने कहा कि आपका साहस और बलिदान प्रतिदिन हमारे राष्ट्र की रक्षा करते हैं। सीमाओं पर तैनात रहकर आप देश को सुरक्षित रखते हैं; आप आतंकवाद और नक्सलवाद के खतरों का सामना करते हैं; और आप यह सुनिश्चित करते हैं कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार - हमारे चुनाव शांतिपूर्ण और सुरक्षित रहें।

उन्होंने कहा कि हालांकि, सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं दी जा सकती। वर्षों के बलिदान, कठिन कर्तव्य और सेवा के बावजूद, सीएपीएफ कर्मियों को न तो समय पर पदोन्नति मिलती है और न ही उन्हें अपनी फोर्स का नेतृत्व करने का अधिकार, क्योंकि शीर्ष नेतृत्व पद संगठन के बाहर के व्यक्तियों के लिए आरक्षित हैं। गांधी ने आगे कहा कि सीएपीएफ कर्मियों के पास विशेष प्रशिक्षण, मूल्यवान जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ है। गांधी ने तर्क दिया कि इसलिए, राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह अनिवार्य है कि इन बलों का नेतृत्व उन्हीं व्यक्तियों द्वारा किया जाए जो स्वयं इसी व्यवस्था से आते हों और सैनिकों की अनूठी चुनौतियों और आवश्यकताओं को सही मायने में समझते हों।

# बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ में मदद करने वालों के खिलाफ विशेष जांच शुरू की जाएगीः पीएम मोदी

**कोलकता, 09 अप्रैल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर जंगल राज का आरोप लगाते हुए कहा कि वह मां, माटी और मनुष्य की बात तो करती है, लेकिन उसके शासन में मां रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा है और मनुष्य भयभीत है। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने ₹भयमुक्त₹ समाज की कल्पना की थी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इसके ठीक विपरीत परिस्थितियां पैदा कर दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर एक ऐसे समाज की कल्पना करते थे जहां हर कोई भयमुक्त हो। लेकिन टीएमसी के जंगल राज ने ठीक इसका उल्टा कर दिया है। वे 'मां, माटी और मनुष्य'

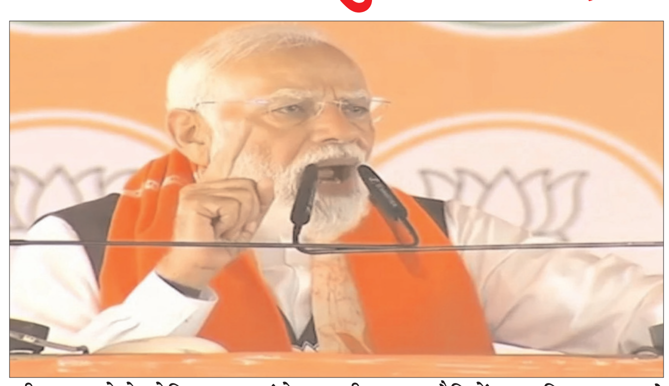

की बात करते थे, लेकिन आज मां रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा है और मनुष्य भयभीत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का गिरोह इन घुसपैठियों को जाली सरकारी दस्तावेज हासिल करने में मदद कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का अतिक्रमण चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। टीएमसी का गिरोह इन घुसपैठियों को जाली सरकारी दस्तावेज हासिल करने में मदद कर रहा है। घुसपैठिए पड़ोसी क्षेत्रों से घुसकर राज्य में बस रहे हैं। आज मैं बंगाल की जनता से वादा करता हूं। बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ में मदद करने वालों के खिलाफ विशेष जांच शुरू की जाएगी। यह मेरी आपको गारंटी है। चाहे वे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, उनकी पहचान कर उन्हें जेल भेजा जाएगा।

2022 की बोगटुई घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए, जिसमें गांव में झोपड़ियों में आग लगाने के बाद आठ लोग जिंदा जल गए थे, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे मानवता पर कलंक बताया। हमारा बीरभूम टीएमसी के जंगल राज का गवाह है। बोगटुई में जो हुआ वह महज एक घटना नहीं थी; यह मानवता पर एक कलंक था। निर्दोष महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया। अगर यह जंगल राज नहीं है, तो फिर क्या है?

## मुकुल चौधरी के तूफान में उड़ा कोलकाता, लखनऊ को अपने दम पर दिलाई जीत

**नई दिल्ली।** कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला ईडन गार्डन में खेला जा रहा है। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। कोलकाता ने इस सीजन अब तक तीन मुकाबले खेले हैं और दो में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच मैच बारिश की वजह से रद हो गया था। ऐसे में केकेआर अभी भी पहली जीत की तलाश में है। कोलकाता और लखनऊ के बीच हेड टू हेड की बात करें, तो एलएसजी का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से लखनऊ ने 4 मैचों में जीत हासिल की है। तो वहीं कोलकाता को मात्र 2 मैचों में जीत मिली है।

# चुनाव आयोग के फैसले पर भड़के पी चिदंबरम-स्टालिन

**नई दिल्ली, 09 अप्रैल।** कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव के प्रतिस्थापन के संबंध में चुनाव आयोग (ईसी) की हालिया कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की, और सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला दिया जिसमें चुनाव आयोग को 'अपने ही साम्राज्य में सत्ता हथियाने' के खिलाफ चेतावनी दी गई थी। आगामी राज्य विधानसभा चुनाव से पहले पर एक पोस्ट में चिदंबरम ने कहा कि कुछ साल पहले, सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में चुनाव आयोग को अपने ही साम्राज्य में सत्ता हथियानेह्व के खिलाफ चेतावनी दी थीङ्घ वह दूरदर्शी टिप्पणी थी।

चिदंबरम ने आगे कहा कि तमिलनाडु में एक ईमानदार, कुशल और निष्पक्ष मुख्य सचिव का तबादला और चुनाव आयोग द्वारा टीएमसी के चार सांसदों के साथ किए गए उपेक्षापूर्ण व्यवहार से सुप्रीम कोर्ट की आशंका की पुष्टि होती प्रतीत होती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए उस पर एकतरफा कार्रवाई करने और कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने बुधवार को पर एक पोस्ट में कहा कि मैं चुनाव आयोग की कड़ी निंदा करता हूं, जो भाजपा के समर्थन में सीधे प्रचार किए बिना चुनावी मैदान में पूरी तरह सक्रिय है, और अब तमिलनाडु के मुख्य सचिव को बदलकर एकतरफा और अतिवादी राजनीतिक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने का दायित्व प्राप्त चुनाव आयोग का भाजपा के शासन में उसके आदेशों का पालन करना शर्मनाक है। चुनाव आयोग को संवैधानिक संरक्षण भाजपा के लिए चुनावी कार्य करने के लिए नहीं दिया गया है। स्टालिन ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र ने विधानसभा चुनाव करा रहे अन्य राज्यों में शीर्ष सरकारी और पुलिस अधिकारियों को नहीं बदला। बुधवार को, चुनाव आयोग ने एन मुरुगनंदम के स्थान पर साई कुमार को तमिलनाडु का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया।

# एक परिवार तमिलनाडु को कर रही बर्बाद : पीयूष गोयल

**तमिलनाडु, 09 अप्रैल।** केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने गुरुवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) पार्टी की आलोचना करते हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले उस पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का आरोप लगाया। दक्षिण भारत के मैनचेस्टर के नाम से मशहूर कोयंबटूर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए गोयल ने दावा किया कि डीएमके, जो भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात एक परिवार के नेतृत्व में चल रही है, राज्य में गिरावट का कारण बन रही है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, नशीली दवाओं की समस्या और डीएमके के भीतर कथित भ्रष्टाचार सहित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला। गोयल ने कहा कि एआईएडीएमके और उसके सहयोगी दलों का पूरा परिवार तमिलनाडु के विकास के लिए एक ही मिशन पर काम कर रहा है।

हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व है। दुख की बात है कि भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात एक ही परिवार द्वारा संचालित डीएमके तमिलनाडु को पतन की ओर ले जा रही है। उन्होंने कानून व्यवस्था के मामले में डीएमके के रवैये की आलोचना की और पार्टी पर लोगों और मीडिया को डराने-धमकाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आगे कहा कि डीएमके कानून-व्यवस्था, नशीली दवाओं के खतरे, नौकरी के बदले रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार पर दिए गए ठेकों को नियंत्रित करने में असमर्थ है। इस चुनाव में भी वे पुलिस का इस्तेमाल करके लोगों को डरा रहे हैं और भय का माहौल बना रहे हैं।

केबल टीवी कनेक्शन काटने और मीडिया को धमकाने की उनकी क्षमता स्टालिन परिवार के कुकर्मों को उजागर करती है। जनता सच्चाई जानती हैः डीएमके हर पल विफल रही है।

गोयल ने यह भी कहा कि जहां राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने करों में कमी की है, वहीं डीएमके ऐसा करने में विफल रही है, जिसके कारण राज्य की वित्तीय स्थिति सबसे कमजोर है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

## आखिर युद्ध से मिला क्या?

दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज कहीं दब सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है? क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है, या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है? इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है।

युद्ध की शुरुआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बर्बादी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहाँ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव।

युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियाँ हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है, और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है।

हाल के घटनाक्रम यह भी दर्शाते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता।

युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है।

जब महाशक्तियाँ किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं। पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहाँ राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहाँ की परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहाँ होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है। वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। सोशल मीडिया के दौर में एक छोटी-सी भ्रामक सूचना भी बड़े स्तर पर भ्रम और तनाव उत्पन्न कर सकती है। इसके अतिरिक्त, युद्ध पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। बमबारी, रासायनिक हथियारों का उपयोग, और औद्योगिक ढाँचों का विनाश पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाता है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। जैव विविधता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और कई बार यह नुकसान अपरिवर्तनीय होता है। इस प्रकार, युद्ध केवल वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है। अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह केवल अस्थायी जीत और स्थायी घाव छोड़ता है। मानवता, विकास और शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे संघर्षों को रोकने और समाधान खोजने में अधिक प्रभावी हो सकें। आज की दुनिया को यह समझना होगा कि असली शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि सृजन में निहित है। जो देश और समाज इस सत्य को स्वीकार कर लेंगे, वही भविष्य में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। युद्ध के धुएँ में भले ही क्षणिक विजय का भ्रम दिखाई दे, लेकिन जब वह धुआँ छंटता है, तो पीछे केवल विनाश, पछतावा और अनिश्चितता ही शेष रह जाती है। यही युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई है—एक ऐसी सच्चाई, जिसे समझना और स्वीकार करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

# मन्नत से मंच तक : जब जसपिंदर के सुर बने हनुमत चरणों का अर्पण

–सुरेश गांधी

वाराणसी की आध्यात्मिक धड़कनों के बीच, जहां हर गली में इतिहास सांस लेता है और हर मंदिर में भक्ति गूंजती है, वहीं संकट मोचन संगीत समारोह की एक भावभीनी रात साक्षी बनी, संगीत, साधना और समर्पण के अद्भुत संगम की। इस पावन अवसर पर पचास वर्षों की तपस्या, पंजाब की सूफियाना मिट्टी, काशी की भक्ति और जीवन-दर्शन, पद्मश्री गायिका जसपिंदर नरूला ने न केवल अपनी प्रस्तुति से वातावरण को राममय किया, बल्कि अपने जीवन के अनुभवों और संगीत यात्रा के रहस्यों को वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी के साथ साझा किया। यह संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं, बल्कि एक कलाकार की आत्मा से निकली वह यात्रा है, जिसमें संघर्ष है, श्रद्धा है, और अंततः एक गहरा संतोष भी, सुरों की साधना ने उन्हें वहां पहुंचाया, जहां संगीत ईश्वर का माध्यम बन जाता है। प्रस्तुत है उनसे हुए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशः-

सुरेश गांधी : संकट मोचन के इस पावन मंच पर गाने का अनुभव कैसा रहा?

जसपिंदर नरूला : काशी में गाना अपने आप में एक अनूठा अनुभव है, एक जीवंत आध्यात्मिक ऊर्जा है। लेकिन जब बात संकट मोचन मंदिर की हो, तो यह अनुभव और भी गहरा हो जाता है। यहां गाना केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक अर्पण है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं नहीं गा रही, बल्कि मुझसे गवाया जा रहा है। यहां हर सुर सीधे हनुमान जी तक पहुंचता है। आज मैंने जो भी गाया, वह मेरी ओर से एक विनम्र भेंट थी। कुछ वर्ष पहले जब मैं गंगा महोत्सव में आई थी, तब मैंने हनुमान जी के दरबार में माथा टेका था और मन ही मन एक मन्नत मांगी थी, एक दिन मुझे यहां भजन गाने का अवसर मिले। आज वह मन्नत पूरी हुई है। यह मेरे लिए अत्यंत भावुक क्षण है... ये खुशी के आंसू हैं।

प्रश्न : आपकी गायकी में सूफी, भक्ति और शास्त्रीय संगीत का अद्भुत संगम दिखाई देता है। यह संतुलन कैसे संभव हुआ?

उत्तर : मैं पंजाब की मिट्टी से हूं, जहां सूफी संतों की परंपरा गहराई से जुड़ी हुई है। वहां का संगीत अपने आप में इबादत है। बचपन से ही मैंने यह सीखा कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की भाषा है। मैंने हमेशा अपनी मौलिकता को बनाए रखने की कोशिश की है। चाहे फिल्मी गीत गाऊं या भजन, मेरे लिए हर सुर एक साधना है। शायद यही कारण है कि मेरी गायकी में सूफियाना रंग भी है और भक्ति की गहराई भी।

प्रश्न : आपने फिल्मी दुनिया में अपार सफलता हासिल की, फिर भी भक्ति और शास्त्रीय संगीत से जुड़ी रहीं। इसका क्या कारण रहा?

उत्तर : लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन जड़ों से जुड़ाव स्थायी होता है। मैंने कभी अपने मूल को नहीं छोड़ा। शास्त्रीय संगीत मेरी नींव है और भक्ति मेरी आत्मा। फिल्मों में गाना मेरे करियर का हिस्सा है, लेकिन जब मैं भजन गाती हूं, तो वह मेरे भीतर की सच्ची अभिव्यक्ति होती है। यही मुझे संतुलित रखता है।

प्रश्न : प्यार तो होना ही था गीत ने आपके करियर को नई ऊंचाई दी। उस दौर को कैसे याद करती हैं?

उत्तर : प्यार तो होना ही था का वह गीत मेरे जीवन का टर्निंग प्वाइंट था. रेमो फर्नांडीज के साथ गाया गया यह गीत आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। जब यह गीत आया, तो मुझे इतनी लोकप्रियता मिली, मैं खुद भी

**काशी की आध्यात्मिक वायुमंडल में जब जसपिंदर नरूला के कंठ से भक्ति के स्वर फूटे, तो यह केवल एक संगीत प्रस्तुति नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी मन्नत के पूर्ण होने का भावुक क्षण बन गया। संकट मोचन संगीत समारोह के मंच पर उन्होंने जिस श्रद्धा और समर्पण के साथ राम आएंगे और भज ले रामह्व जैसे भजन प्रस्तुत किए, उसमें उनकी पूरी साधना और जीवन-दर्शन समाहित दिखा। कुछ वर्ष पूर्व काशी आगमन के दौरान हनुमत दरबार में की गई प्रार्थना आज साकार हुई, और यही अनुभूति उनकी आंखों की नमी और स्वर की गहराई में स्पष्ट झलकी। अपने पचास वर्षों के संगीत सफर को वह तपस्या मानती हैं, एक ऐसी यात्रा, जिसमें सिद्धांत, परिश्रम और ईश्वर में अटूट विश्वास ही उनके मार्गदर्शक रहे। युवाओं को संदेश देते हुए उनका सरल किंतु प्रभावी वाक्य गूंजता है, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जसपिंदर नरूला के लिए संगीत केवल पेशा नहीं, बल्कि साधना है, और यही कारण है कि उनके सुर सीधे हृदय से निकलकर श्रोताओं की आत्मा को स्पर्श करते हैं**

हैरान थी। लेकिन मैंने इसे सिर पर चढ़ने नहीं दिया, क्योंकि मुझे पता था कि असली यात्रा अभी बाकी है।

प्रश्न : आपके संगीत सफर की शुरूआत कैसे हुई?

उत्तर : मेरा संगीत से रिश्ता बचपन से ही है। मेरे पिता केसर सिंह नरूला स्वयं संगीतकार थे। उन्होंने ही मुझे संगीत की पहली शिक्षा दी। घर का माहौल ऐसा था कि हर दिन रियाज होता था। आगे चलकर मैंने उस्ताद गुलाम सादिक खान से प्रशिक्षण लिया। शास्त्रीय संगीत ने मेरी आवाज को आधार दिया। यही आधार आज तक मेरे साथ है।

प्रश्न : आपने अपने करियर में कई बड़े संगीतकारों के साथ काम किया। उस अनुभव को कैसे देखती हैं?

उत्तर : मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे कल्याणजी जैसे महान संगीतकार का मार्गदर्शन मिला। उन्होंने मुझे इंडस्ट्री में आने का रास्ता दिखाया। इसके बाद विजू शाह और अन्य कई संगीत निर्देशकों के साथ काम करने का अवसर मिला। हर अनुभव ने मुझे कुछ नया सिखाया।

प्रश्न : संकट मोचन में आपकी प्रस्तुति के दौरान राम आएंगे और भज ले राम जैसे भजनों ने लोगों को भाव-विभोर कर दिया। उस क्षण आपकी अनुभूति क्या थी?

उत्तर : जब मैं राम आएंगे... गा रही थी, तो मुझे लगा जैसे पूरा वातावरण राममय हो गया है। लोग झूम रहे थे, आंखें बंद कर प्रार्थना कर रहे थे, वह दृश्य शब्दों में नहीं कहा जा सकता। मनवा रे जीवन है संग्राम, भज ले राम... यह केवल गीत नहीं, जीवन का सार है। जब हम कठिनाइयों में होते हैं, तो भक्ति ही हमें संभालती है। प्रभु हर दिल में हैं। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि विश्वास है, जब हम सच्चे मन से पुकारते हैं, तो भगवान जरूर आते हैं। उस समय मैं खुद भी एक श्रोता बन जाती हूं और संगीत मुझे भीतर से छूता है।

प्रश्न : आपने युवाओं को मेहनत और ईश्वर में विश्वास का संदेश दिया। आज के समय में यह कितना जरूरी है?

उत्तर : आज की दुनिया बहुत तेज हो गई है। हर कोई जल्दी सफलता चाहता है, धैर्य की कमी दिखती है। लेकिन मैं यही कहना चाहूंगी कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। मैंने 50 वर्षों तक लगातार मेहनत की है। यह कोई एक दिन की उपलब्धि नहीं है। अगर आप ईश्वर में विश्वास रखते हैं और अपने काम के प्रति ईमानदार हैं, तो सफलता जरूर मिलती है। मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जो लोग साधना से नहीं गुजरते, वे सफलता को टिकाकर नहीं रख पाते।

प्रश्न : काशी और यहां के श्रोताओं के बारे में आपका क्या अनुभव रहा?

उत्तर : काशी के श्रोता बहुत विशेष होते हैं। वे केवल सुनते नहीं, बल्कि महसूस करते हैं। यहां संगीत आत्मा से जुड़ जाता है। जब मैंने देखा कि लोग छतों पर, बाहर स्क्रीन के सामने खड़े होकर भी सुन रहे हैं, तो मुझे लगा कि यह केवल मेरा नहीं, बल्कि संगीत का सम्मान है।

प्रश्न : मंदिर के महंत से मुलाकात और काशी की पौराणिकता के बारे में जानकर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

उत्तर : कार्यक्रम के बाद मेरी मुलाकात पंडित विश्वंभरनाथ मिश्र से हुई। उन्होंने मुझे काशी की परंपरा, गोस्वामी तुलसीदास और मंदिर की स्थापना की कथा सुनाई। उसे सुनकर मैं सच में भावुक हो गई। काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक अनुभव है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां गाने का अवसर मिला।

फिरहाल, यह संवाद केवल एक साक्षात्कार नहीं, बल्कि एक साधिका की आत्मकथा का अंश है। उनका जीवन-दर्शन सामने आया, जहां संगीत, भक्ति और संघर्ष एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। जसपिंदर नरूला की आवाज में जो गूंज है, वह केवल सुरों की नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या, विश्वास और समर्पण की है। काशी की इस पावन भूमि पर उन्होंने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया, जब संगीत साधना बन जाता है, तो वह केवल सुना नहीं जाता... वह जिया जाता है। समारोह में उनकी प्रस्तुति ने यह साबित कर दिया कि उनकी आवाज में आज भी वही ऊर्जा और भावनात्मक गहराई है। भज ले राम... राम... राम... जैसे भजनों की गूंज ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। श्रोता झूम उठे, और हर सुर के साथ आस्था का प्रवाह और प्रगाढ़ होता गया। उनकी गायकी में भाव, ऊर्जा और आध्यात्मिकता का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने श्रोताओं को भीतर तक स्पर्श किया। यह केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक साधना थी, एक ऐसी साधना, जिसमें सुर ईश्वर को समर्पित हो जाते हैं।

# संस्था निमार्ता से जीवन मार्गदर्शक तकः डॉ. विजय गर्ग की यात्रा

–प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा की दुनिया आज आंकड़ों, प्रतिशतों और रैंकिंग की चकाचौंध में उलझती जा रही है। स्कूलों और कॉलेजों की गुणवत्ता का मूल्यांकन अब इस आधार पर किया जाता है कि कितने विद्यार्थियों ने परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, कितनों को प्रतिष्ठित नौकरियाँ मिलीं और कितनों ने प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता हासिल की। लेकिन इस पूरे परिदृश्य के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर अनसुना रह जाता है—क्या शिक्षा केवल परिणाम देने का माध्यम है, या यह मनुष्य गढ़ने की प्रक्रिया भी है? इसी प्रश्न का जीवंत उत्तर हैं डॉ. विजय गर्ग, जिनका जीवन और कार्य हमें शिक्षा के वास्तविक अर्थ से परिचित कराते हैं।

डॉ. विजय गर्ग का नाम केवल एक प्रशासनिक अधिकारी या प्रिंसिपल के रूप में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने लगभग चार दशकों तक शैक्षणिक संस्थानों का नेतृत्व किया, लेकिन उनका योगदान किसी पद या दायित्व की सीमाओं में नहीं बंधा। वे उन विरले शिक्षकों में से थे जिनके लिए शिक्षा एक पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व था। उनके व्यक्तित्व में एक शिक्षक की सरलता, एक चिंतक की गहराई और एक मार्गदर्शक की संवेदनशीलता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि एक सच्चा शिक्षक केवल जानकारी का स्रोत नहीं होता, बल्कि वह छात्रों के भीतर विचारों की आग जलाने वाला होता है। उनका मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य उत्तर देना नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करना है। यही कारण था कि उनके संपर्क में आने वाले विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में सफल नहीं होते थे, बल्कि जीवन के जटिल प्रश्नों का सामना करने के लिए भी तैयार होते थे।

डॉ. गर्ग का प्रारंभिक जीवन साधारण परिस्थितियों में बीता, लेकिन उनकी सोच असाधारण थी। ऐसे परिवेश में उनका पालन-पोषण हुआ जहाँ शिक्षा को सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता था। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी लगन और समर्पण के साथ प्राप्त की और अंततः डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। लेकिन इस उपलब्धि को उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व का केंद्र नहीं बनाया। उनके लिए यह केवल एक पड़ाव था, न कि अंतिम लक्ष्य। उनकी यही विनम्रता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। वे मानते थे कि ज्ञान कभी पूर्ण नहीं होता और एक शिक्षक को जीवन भर विद्यार्थी बने रहना चाहिए। जब उन्होंने प्रिंसिपल का पद संभाला, तब वे इस विचार को अपने साथ लेकर आए कि किसी भी संस्था का प्रमुख सबसे पहले एक समर्पित शिक्षार्थी होना चाहिए। यह सोच उनके पूरे प्रशासनिक

कार्यकाल में स्पष्ट रूप से दिखाई देती रही।

वे सुबह सबसे पहले स्कूल पहुँचते और देर तक वहीं रहते। उनके लिए यह केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि एक साधना थी। वे विद्यालय के हर कोने को समझते थे—कक्षाओं की गतिविधियाँ, शिक्षकों की समस्याएँ, और छात्रों की जरूरतें। वे समस्याओं को आदेश देकर नहीं, बल्कि समझकर और सुलझाकर आगे बढ़ते थे। उनकी प्रशासनिक शैली में कठोरता नहीं, बल्कि संवेदनशीलता थी; दूरी नहीं, बल्कि संवाद था।

उन्होंने शिक्षकों को कभी अधीनस्थ नहीं माना, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा। छात्रों को उन्होंने कभी केवल रोल नंबर या परिणाम के रूप में नहीं आँका, बल्कि उन्हें एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में विकसित करने का प्रयास किया। उनके लिए किसी भी संस्था की सफलता का मापदंड परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि वहाँ से निकलने वाले छात्रों का चरित्र और सोच थी।

डॉ. गर्ग के बारे में उनके सहकर्मी और विद्यार्थी अक्सर यह बताते हैं कि वे वर्षों बाद भी अपने छात्रों को नाम से पहचान लेते थे। यह केवल स्मरण शक्ति का प्रश्न नहीं था, बल्कि यह उस गहरे जुड़ाव का संकेत था जो उन्होंने अपने विद्यार्थियों के साथ बनाया। वे हर छात्र में एक संभावना देखते थे, और उस संभावना को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करते थे।

कई बार वे चुपचाप ऐसे छात्रों की मदद करते थे जो किसी कारणवश पीछे छूट रहे होते थे। कभी एक सलाह देकर, कभी एक अवसर देकर, उन्होंने अनेक जीवनों को दिशा दी। उनके लिए शिक्षा का अर्थ केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि हर उस हाथ को थामना था जो गिरने के कगार पर हो। समय के साथ जब उनका औपचारिक कार्यकाल समाप्त हुआ, तो उन्होंने सेवानिवृत्ति को विश्राम का माध्यम नहीं बनाया। उनके लिए यह केवल कार्य करने के तरीके का परिवर्तन था। उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों से स्वयं को अलग किया, लेकिन विचारों और चिंतन की दुनिया से कभी दूरी नहीं बनाई।

आज वे लेखन के माध्यम से शिक्षा और समाज के मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं। उनके लेखों में अनुभव की गहराई और विचारों की स्पष्टता साफ झलकती है। वे शिक्षा नीति, युवाओं की चुनौतियों, और मूल्यों की गिरावट जैसे विषयों पर लिखते हैं, लेकिन उनका दृष्टिकोण हमेशा संतुलित और व्यावहारिक होता है। वे केवल समस्याओं की ओर संकेत नहीं करते, बल्कि उनके समाधान की दिशा भी सुझाते हैं।

उनका लेखन किसी उपदेश की तरह नहीं, बल्कि एक संवाद की तरह प्रतीत होता है। पाठकों को ऐसा लगता है जैसे वे किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हों जिसने जीवन को करीब से देखा है, उसकी जटिलताओं को समझा है और फिर भी आशा को नहीं छोड़ा है। डॉ. गर्ग का प्रभाव केवल उनके संस्थानों तक सीमित नहीं रहा। उनके विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं—कोई डॉक्टर है, कोई इंजीनियर, कोई शिक्षक, तो कोई प्रशासनिक अधिकारी। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि उनके छात्र सफल हुए, बल्कि यह है कि वे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बने। एक शिक्षक की असली विरासत यही होती है कि उसके छात्र उसके मूल्यों को आगे लेकर जाएँ। डॉ. गर्ग ने यही किया। उन्होंने केवल करियर नहीं बनाए, बल्कि चरित्र गढ़े। उनका निजी जीवन भी उतना ही संतुलित और अनुशासित है जितना उनका पेशेवर जीवन रहा। वे एक नियमित पाठक हैं और इतिहास तथा दर्शन में विशेष रुचि रखते हैं। वे प्रतिदिन टहलते हैं, जो उनके लिए केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक चिंतन का समय होता है। अपने परिवार के साथ उनका जुड़ाव गहरा है। विशेषकर अपने पोते-पोतियों के साथ उनका व्यवहार यह दशार्ता है कि उनके भीतर का शिक्षक आज भी जीवित है। उनमें वही धैर्य, वही स्नेह और वही जिज्ञासा दिखाई देती है जो उन्होंने अपने छात्रों के साथ साझा की थी। आज के समय में, जब शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और मूल्यों की जगह प्रतिस्पर्धा ने ले ली है, तब डॉ. विजय गर्ग जैसे व्यक्तित्व हमें यह याद दिलाते हैं कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या है। वे हमें यह सिखाते हैं कि एक शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला नहीं होता, बल्कि वह समाज का निमार्ता होता है।

भारत ने अनेक शिक्षाविद और प्रशासक देखे हैं, लेकिन ऐसे शिक्षक बहुत कम हुए हैं जिन्होंने शिक्षा की परिभाषा को ही बदल दिया। डॉ. विजय गर्ग उन्हीं विरले लोगों में से एक हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची शिक्षा वह है जो व्यक्ति को केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक बनाती है।

और शायद यही कारण है कि उनके द्वारा शुरू की गई वह ह्लशांत क्रांतिह्व आज भी जारी है—हर उस छात्र के माध्यम से, जिसने उनसे कुछ सीखा, और हर उस विचार के माध्यम से, जिसे उन्होंने जगाया।

# आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को धरातल पर उतारने में मध्यप्रदेश की मोहन सरकार का स्वर्णिम योगदान

मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर और शिल्प कौशल को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के विकास की एक ऐसी नई पटकथा लिखी है, जो आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को धरातल पर उतारने की दिशा में क्रांतिकारी सिद्ध होगी। हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा समत्व भवन से मृगनयनी उत्पादों के ई-कॉमर्स पोर्टल का शुभारंभ करना केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह उन लाखों उपेक्षित और गुमनाम शिल्पकारों के जीवन में आर्थिक समृद्धि का नया सवेरा लाने का संकल्प है, जो पीढ़ियों से अपनी उंगलियों के जादू से माटी, धागे और धातु को जीवंत करते आए हैं। आज के डिजिटल युग में जब बाजार की सीमाएं सिकुड़ रही हैं और उपभोक्ता की पहुंच वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है, ऐसे में मध्य प्रदेश के कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग की यह पहल प्रदेश के पारंपरिक कौशल को एक नई पहचान दिलाने के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अनंत द्वार खोलने वाली है। मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण कि वर्तमान समय ई-कॉमर्स का है, इस सच्चाई को स्वीकार करता है कि यदि हम अपनी विरासत को समय की मांग के साथ नहीं जोड़ेंगे, तो वह केवल संग्रहालयों तक सीमित रह जाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को ओएनडीसी जैसे विशाल प्लेटफॉर्म से एकीकृत करने का निर्णय एक मास्टरस्ट्रोक है, क्योंकि

इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और शिल्पकारों को उनकी मेहनत का सीधा लाभ मिल सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल से ग्लोबल' के मंत्र को साकार करने की दिशा में मध्य प्रदेश सरकार का यह कदम अत्यंत सराहनीय और दूरगामी परिणामों वाला है। प्रदेश के जिला स्तर पर लूम (करघा) केंद्रों को पुनर्जीवित करने और उनके व्यवस्थित संचालन की आवश्यकता पर बल देना यह दशार्ता है कि सरकार केवल बाजार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उत्पादन की जड़ों को भी मजबूत करना चाहती है। जब गांव का एक बुनकर या शिल्पी यह जानता है कि उसके द्वारा निर्मित चंदेरी, महेश्वरी साड़ी या जनजातीय कलाकृतियां अब केवल स्थानीय हाट-बाजारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दिल्ली, मुंबई से लेकर सात समंदर पार तक के खरीदारों की पहुंच में हैं, तो उसका आत्मविश्वास और रचनात्मकता एक नए स्तर पर पहुंच जाती है। पोर्टल पर 15 श्रेणियों में उपलब्ध लगभग 350 उत्पाद और आगामी समय में इन्हें 1500 से अधिक करने का लक्ष्य यह बताता है कि सरकार एक सुव्यवस्थित योजना के साथ आगे बढ़ रही है। आगामी वर्षों में दो लाख से अधिक कारीगरों और दस लाख उत्पादों को इस प्लेटफॉर्म से जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य न केवल आर्थिक आंकड़ा है, बल्कि यह उन लाखों परिवारों के जीवन स्तर में सुधार का एक ब्लू प्रिंट है, जो अपनी पारंपरिक कला को छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। इस डिजिटल पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रामाणिकता और पैकेजिंग प्रणाली है। आज के समय में उपभोक्ता केवल उत्पाद नहीं खरीदता, बल्कि वह उस उत्पाद के पीछे की कहानी और उसकी मौलिकता को भी तलाशता है। मृगनयनी पोर्टल के माध्यम से ग्राहकों को मिलने वाला प्रामाणिकता प्रमाण-पत्र और शिल्प विवरण कार्ड न केवल खरीदार का विश्वास जीतेंगे, बल्कि मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार भी करेंगे। जीआई टैग प्राप्त उत्पादों और ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) को विशेष प्राथमिकता देकर सरकार ने राज्य की क्षेत्रीय विविधताओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर दिया है। यह पहल 'विजन 2047' के अनुरूप है, जिसमें सशक्त युवा, आत्मनिर्भर नारी और सुरक्षित सांस्कृतिक विरासत की परिकल्पना की गई है। जनजातीय कलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना न केवल सामाजिक न्याय है, बल्कि यह उन समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग भी है जो सदियों से अपनी कला को सहेजते आए हैं। जब राज्य का हर कारीगर डिजिटल बाजार का हिस्सा बनेगा, तो वह केवल एक विक्रेता नहीं रहेगा, बल्कि वह मध्य प्रदेश का सांस्कृतिक राजदूत बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय कुटीर और लघु उद्योगों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रगतिशील सोच को उजागर करता है। यह पोर्टल रोजगार सृजन के एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरेगा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए, जो घर बैठे अपनी कला को बाजार में बेच सकेंगी। आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के निर्माण में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि यह परंपरागत ज्ञान को आधुनिक प्रबंधन के साथ जोड़ता है। अत्याधुनिक तकनीक और सरल यूजर इंटरफेस के साथ विकसित किया गया यह प्लेटफॉर्म बायर-सेलर के बीच की दूरियों को पाटकर एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा। अंततः, यह पहल मध्य प्रदेश के शिल्पकारों के सपनों को एक नई उड़ान देने वाली है, जिससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि मध्य प्रदेश की कला और संस्कृति का परचम पूरी दुनिया में लहराएगा। यह बदलाव की वह लहर है, जो राज्य के आर्थिक परिदृश्य को बदल देगी और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में मध्य प्रदेश के योगदान को स्वर्णाक्षरों में अंकित करेगी।

(डॉ. राघवेंद्र शर्मा-विभूति फीचर्स)

## घाटकोपर के असल्फा गांव में 9 दिवसीय संगीतमय भव्य रामकथा शुरू

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** घाटकोपर पश्चिम असल्फा गांव के जंगलेश्वर महादेव मंदिर में 5 अप्रैल से 13 अप्रैल तक संगीतमय भव्य रामकथा का आयोजन शुरू है । शाम ५ बजे से शुरू हो रही इस रामकथा में भारी संख्या में रामभक्तों की भीड़ उमड़ रही है। यह रामकथा राजराजेश्वरी शक्ति पीठाधीश्वर प्रयागराज के डॉ निवासाचार्य मानस मनीषी के मुखारबिंद से प्रस्तुत की जा रही है। कथा में आने वाले सभी भक्तों को प्रतिदिन मोतीचूर के लड्डू और फल प्रसाद के साथ भंडारे का लाभ भी दिया जा रहा है। इस कथा का श्रवण करने के लिए सैकड़ों भक्तों के साथ नेताओं और समाजसेवकों का तांता लगा हुआ है। इस संगीतमय रामकथा का आयोजन घाटकोपर के उद्योगपति रमेश छेदी सिंह ने किया है। कार्यक्रम के सफल संचालन में रितेश रमेश सिंह और हितेश रमेश सिंह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह रामकथा राम भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

## कोनगांव ग्राम पंचायत अधिकारी की लापरवाही पर कार्रवाई नहीं हुई तो भूख हड़ताल की चेतावनी

**भिवंडी।** कोनगांव ग्राम पंचायत क्षेत्र में लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है जहां आपातकालीन स्थिति के दौरान भी जिम्मेदार ग्राम पंचायत अधिकारी मनीष महाजन ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। इस घटना के बाद स्थानीय समाजसेवक भगवानदास विश्वकर्मा ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को कोनगांव क्षेत्र में एक मिठाई की दुकान पर अचानक बड़ा पेड़ गिर गया। यह हादसा गंभीर था, जिसमें दुकान को आर्थिक नुकसान हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के समय अन्य कर्मचारी मौके पर मौजूद थे, लेकिन संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी अनुपस्थित रहे, जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित अधिकारी पहले से ही विवादों में घिरे हुए हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और वसूली जैसे गंभीर आरोपों की शिकायतें भी दर्ज हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शिकायत कर्ता भगवानदास विश्वकर्मा का कहना है कि उन्होंने इस मामले को लेकर जिला परिषद ठाणे, पंचायत समिति भिवंडी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी हैं। कोकण मंडल के अधिकारियों द्वारा भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए विश्वकर्मा ने आरोप लगाया है कि कुछ अधिकारी मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आमरण उपोषण (भूख हड़ताल) पर बैठेंगे। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या कार्रवाई करता है या फिर यह शिकायत भी फाइलों में दबकर रह जाएगी।

## नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

**मुंबई।** नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड (केएमईडब्ल्यू) ने भारतीय ध्वज के अंतर्गत निर्मित सबसे बड़े और सबसे गहरे स्व-चालित बैकहो ड्रेजर, रिवर पर्ल 47 को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) में शामिल करने की घोषणा की है। यह ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के साथ अनुबंध के तहत किया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से केएमईडब्ल्यू के विशेषीकृत ड्रेजिंग फ्लीट को और मजबूती मिलती है और भारत भर में जटिल समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर और पोर्ट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को क्रियान्वित करने की उसकी क्षमता में वृद्धि होती है। रिवर पर्ल 47 में जापान में निर्मित कोमात्सु पीसी 2000 हेवी-ड्यूटी हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर लगाया गया है, जो तीन पैरों वाले स्पड बार्ज पर हाइड्रोलिक रूप से संचालित होता है और दोहरे इंजनों द्वारा संचालित है। यह 200 टन क्षमता वाला एक्सकेवेटर विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण ड्रेजिंग, खनन और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों के लिए डिजाइन किया गया है। इस मशीन को विदेश से आयात कर केएमईडब्ल्यू के इंजीनियरों द्वारा मुंबई बंदरगाह पर बार्ज की स्थिरता और संरचनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। रिवर पर्ल 47 में लगभग 1000 बीएचपी क्षमता वाला इंजन लगाया गया है, जो उत्कृष्ट हाइड्रोलिक प्रदर्शन प्रदान करता है। विभिन्न बूम और आर्म कॉनफि गरेशन के माध्यम से यह ड्रेजर जलस्तर से 4 मीटर से लेकर 30 मीटर तक की गहराई में खुदाई करने में सक्षम है। इसके बकेट की क्षमता कॉनफि गरेशन के आधार पर 1.75 घन मीटर से 12 घन मीटर तक होती है, जिससे विभिन्न प्रकार के ड्रेजिंग कार्यों को कुशलतापूर्वक अंजाम दिया जा सकता है। साथ ही, इसकी उच्च चक्र दक्षता तेज और अधिक सटीक खुदाई सुनिश्चित करती है। इस ड्रेजर के बार्ज की लंबाई 50 मीटर और चौड़ाई 14 मीटर है, जबकि स्पड की लंबाई 32 मीटर है, जो इसे स्थिर संचालन प्रदान करती है। इसका ड्राफ्ट 4 मीटर से कम है, जिससे यह उथले पानी में भी आसानी से कार्य कर सकता है। बार्ज में 20 कर्मचारियों के रहने की सुविधा उपलब्ध है और इसमें लगभग 300 वर्ग मीटर का स्पष्ट डेक क्षेत्र है। इसके अलावा, इसमें 4-पॉइंट मूरिंग विंच सिस्टम और उन्नत पोजिशनिंग सिस्टम लगाए गए हैं, जो खुले समुद्र में भी सब-मीटर स्तर की सटीकता सुनिश्चित करते हैं। यह बैकहो ड्रेजर उथले से लेकर गहरे पानी तक मिट्टी, चट्टान और पत्थर सहित कठोर समुद्री तल की परतों की सटीक खुदाई के लिए डिजाइन किया गया है। रिवर पर्ल 47 विशेष रूप से बंदरगाहों में ऊँचे स्थानों की खुदाई, सटीक पाइपलाइन ट्रेंचिंग और विस्फोटित चट्टानों को हटाने जैसे कार्यों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। ऐसे जटिल कार्यों में यह पारंपरिक ड्रेजरों की तुलना में अधिक प्रभावी और सटीक समाधान प्रदान करता है।

## ऐक्सिस म्यूचुअल फंड ने पेश किया ऐक्सिस निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड

**मुंबई/पटना।** भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, ऐक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपना नया फंड - ऐक्सिस निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह एक खुली अवधि का इंडेक्स फंड है जो निफ्टी इंडिया डिफेंस टीआरआई के घटकों में निवेश करता है। यह एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए 10 अप्रैल 2026 को खुलेगा और 24 अप्रैल 2026 को बंद होगा।

ऐक्सिस निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड का उद्देश्य व्यय से पहले ऐसे रिटर्न देना है जो ट्रैकिंग एरर के अधीननिफ्टी इंडिया डिफेंस टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) के प्रदर्शन के बहुत करीब हों। यह फंड निवेशकों के लिए एक सस्ता, आसान और पारदर्शी तरीका है।

# जयंती से पहले महापौर का औचक निरीक्षण, गंदगी और फेरीवालों पर जताई नाराजगी

### गंदगी देख भड़की महापौर

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** डोंबिवली महापौर हर्षाली चौधरी ने महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती से पहले कल्याण स्टेशन परिसर का दौरा किया। महापौर ने महात्मा फुले चौक और आंबेडकर उद्यान का जायजा लिया। प्रतिमा के आसपास गंदगी, अवैध फेरीवालों की भीड़ और दोपहिया पार्किंग देखकर वे नाराज हुईं। बतादें की महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती से पहले केडीएमसी महापौर हर्षाली चौधरी ने कल्याण स्टेशन परिसर स्थित महात्मा फुले चौक और आंबेडकर उद्यान का निरीक्षण किया। फेरीवालों की भीड़, गंदगी और बेतरतीब पार्किंग देखकर महापौर नाराज हुईं। निरीक्षण में प्रतिमा के आसपास गंदगी और अव्यवस्थित दोपहिया पार्किंग पाए जाने पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल सफाई और वाहनों को हटाने के निर्देश दिए। मौके पर पुलिस ने कई वाहनों पर कार्रवाई भी की, वहीं फेरीवालों पर भी कार्रवाई के आदेश दिए गए। महापौर ने दोनों स्थलों के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि जयंती के मौके पर परिसर व्यवस्थित दिखे। इस दौरान शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे, नगरसेवक प्रतीक पेंणकर, एसीपी कल्याणजी घेटे, सहायक आयुक्त धनंजय थोरात सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

## तरुण कला संगम द्वारा 7 मई को राजकुमार सिंह को दिया जाएगा पत्रकारिता पुरस्कार

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था तरुण कला संगम विगत अनेक वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट और प्रेरणादायक कार्य करने वाले पत्रकारों को पुरस्कृत करती चली आ रही है। तरुण कला संगम के अध्यक्ष चित्रसेन सिंह और महामंत्री दीपक सिंह ने बताया कि संस्था द्वारा इस वर्ष गुरुवार,07 मई, 2026 को चर्चगेट स्थित सम्राट होटल में शाम 4 बजे पत्रकारिता पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव की अध्यक्षता में निर्णायक मंडल द्वारा वर्ष 2025 के पत्रकारिता पुरस्कार के लिए नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह का चयन किया गया है। संस्था द्वारा उन्हें पुरस्कार के रूप में स्मृति चिन्ह तथा 100000 (एक लाख रुपए) की राशि प्रदान की जाएगी। संस्था द्वारा अब तक पुरस्कृत किए गए पत्रकारों में गणेश मंत्री,लालजी मिश्र, शचींद्र त्रिपाठी, गंगाधर ढोबले, विजेंद्र तिवारी , आनंद राजवर्धन, विमल मिस्त्र जैसे मूर्धन्य पत्रकारों का समावेश है।

## भिवंडी में नाला सफाई घोटाले का आरोप और अयोग्य ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की मांग तेज

**भिवंडी।** मानसून से पहले नाला और गटर सफाई के कार्य को लेकर भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका को परशुराम पाल ने गत वर्ष के ठेकेदारों के खिलाफ मुहिम शुरू कर दी है । बतादें कि समाजसेवक परशुराम पाल ने मनपा आयुक्त और महापौर को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि पिछले तीन वर्षों से नाला सफाई का ठेका बार-बार उन्हीं अयोग्य और भ्रष्ट ठेकेदारों को दिया जा रहा है, जिन्होंने कार्य में भारी अनियमितताएं की हैं। पत्र के अनुसार, वर्ष 2023 और 2024 में मे. चंडिका कंस्ट्रक्शन और मे. बुबेरे एंड एसोसिएट को ठेका दिया गया था, जबकि 2025 में इन्हीं के साथ सुशील लक्ष्मण गायकवाड़, मे. राहुल एंटरप्राइजेज (उल्हासनगर) और साई कंस्ट्रक्शन (उल्हासनगर) को भी शामिल किया गया। इन सभी ठेकेदारों पर नाला सफाई कार्य में लापरवाही, अधूरा काम और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। परशुराम पाल ने मांग की है कि इन ठेकेदारों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें तत्काल ब्लैकलिस्ट किया जाए और आगामी कार्य केवल ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से योग्य एवं अनुभवी कंपनियों को ही सौंपा जाए। साथ ही, कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी से निगरानी कराने की भी मांग की गई है। गौरतलब है कि परशुराम पाल पिछले तीन वर्षों से इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठाते आ रहे हैं और ठेकेदारों के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगाते हुए कई बार धरना-आंदोलन कर चुके हैं। अब देखना यह होगा कि मानसून से पहले मनपा प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या ठोस कदम उठाता है, ताकि शहरवासियों को जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिल सके।

## जिला परिषद पालघर में पोषण पंधरवडा का जिलास्तरीय शुभारंभ

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिला परिषद पालघर के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में गुरुवार 9 अप्रैल 2026 को 'पोषण पंधरवडा' का जिलास्तरीय शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण तरीके से आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य कुपोषणमुक्त समाज की दिशा में जनजागृती बढ़ाना है।

पोषण पंधरवडा कार्यक्रम 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक जिले के 12 ग्रामीण और 3 शहरी बालविकास प्रकल्पों द्वारा सक्रिय रूप से आयोजित किया जायेगा। इस दौरान बालविकास विभाग द्वारा कुपोषण को समाप्त करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य संबंधित उपक्रम आयोजित की जायेंगी। कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अंगणवाडी सेविकाओं के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि पोषण पंधरवडें के माध्यम से यह अभियान व्यापक रूप से हर परिवार तक पहुंचेगा और कुपोषण के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई लड़ेगा।

इस अवसर पर महिला व बालविकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर ने पोषण पंधरवडें के उद्देश्यों और योजनाबद्ध कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कुपोषण को समाप्त करने के लिए विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान अंगणवाडी सेविकाओं ने विभिन्न पौष्टिक आहार और पारंपरिक पाककृतियों का आकर्षक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने संतुलित आहार के महत्व पर जोर देते हुए सेविकाओं को मार्गदर्शन किया। उन्होंने पोषण से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण को खत्म करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील व इजाज अहमद शरीकमसलत, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, अतिरिक्त जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे व अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

## कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण में कांग्रेस पार्टी की ओर से महत्वपूर्ण बैठक की गई । इस बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने, आगामी चुनावों की तैयारी और स्थानीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आल इंडिया कांग्रेस कमिटी की निरीक्षक डा.पलक वर्मा, एमपीसीसी निरीक्षक तुकाराम रेंगे पाटील, रानी अग्रवाल, शाह आलम, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, जिलाध्यक्ष राजाभाऊ पातकर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस बैठक का विशेष आकर्षण यह रहा कि कल्याण-डोंबिवली जिला अध्यक्ष पद के लिए इच्छुक चार प्रमुख नेताओं के नाम सामने आए हैं। इच्छुक उम्मीदवारों ने अपनी कार्यप्रणाली और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए इस पद के लिए दावा पेश किया। पार्टी के वरिष्ठ निरीक्षकों द्वारा कार्यकताओं और पदाधिकारियों की राय जानने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभिन्न स्तरों पर कार्यकताओं से संवाद कर स्थानीय संगठन की स्थिति, कार्यपद्धति और नेतृत्व को लेकर अभिप्राय लिया जा रहा है। इन सभी मतों का संकलन कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे पार्टी के दिल्ली स्थित वरिष्ठ नेतृत्व को सौंपा जाएगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर जिला अध्यक्ष पद को लेकर अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है। इस बीच, इस बैठक से स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला है और आने वाले समय में संगठन को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया गया है।

## बोईसर में विराट हिंदू सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिले के बोईसर स्थित हेडगेवार के पास हनुमान मंदिर में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए, जिन्होंने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस आयोजन में भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अभय दिनकर जगताप ने समाज की एकता और धर्म के संरक्षण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और सनातन धर्म की पहचान को सहेजते हुए, पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से बचकर अपने मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। अभय जगताप ने समाज को सशक्त और जागरूक रहने का संदेश दिया, ताकि हम अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा कर सकें। सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में कुलदीप सिंह बाबा जी (गुरुद्वारा प्रमुख, ओस्तवाल) भी मौजूद थे। उन्होंने अपने संबोधन में समाज में भाईचारे और समरसता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए ताकि हम एक मजबूत और एकजुट समाज का निर्माण कर सकें। सम्मेलन में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया। बच्चों की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्सव का माहौल बना कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

## विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पालघर में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर गुरूदर्शन सोसायटी, कमला पार्क, पालघर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन महाबँक कृषि अनुसंधान व ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान (मार्डेफ), पुणे (बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा प्रायोजित), संपदा लोकसंचालित महिला संघटक, पालघर, उत्कर्षा स्वयं सहायता महिला बचत समूह, पालघर और भगवती स्वयं सहायता महिला बचत समूह, पालघर के संयुक्त प्रयास से किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं पर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया। विशेष रूप से स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। इसके अतिरिक्त, हीमोग्लोबिन एवं रक्तदाब की जांच के बाद नागरिकों को उचित आहार और व्यायाम के महत्व पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. दर्शना मयूर चौधरी (बी.एच.एम.एस.) उपस्थित थीं। इसके साथ ही बाल अधिकारों के लिए नागरिक संगठन, अंधेरी (सी.ए.सी.आर.) के तकनीकी विशेषज्ञों ने भी जांच प्रक्रिया में सहयोग दिया। नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के नियमित आयोजन की उम्मीद जताई। कार्यक्रम को सफल बनाने में उज्ज्वला कोकणे, कल्पना पाटील, चंदना जाधव, राधा चौधरी, आस्मा शेख, नीता जाधव, दीपाली गायकवाड, सुनीता पारखे, ललिता पाल, कुमकुम मिश्रा, सोनू शेंडे, प्रकाश कु?हाडे, संजय जाधव, नितीन पाटील, भावना पाटील, निशा तिवारी, वैष्णवी पाल, पूनम तिवारी, नीलम गडेरिया, शालिनी घरत, पूजा तामोरे के अलाव अन्य स्वयं सहायता महिला बचत समूह की पदाधिकारियों और सदस्याओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## मीरा भायंदर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पूर्ण लंबाई वाली प्रतिमा के निर्माण कार्य में तेजी

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** सामाजिक न्याय विभाग की ओर से इस परियोजना के लिए 1 करोड़ 46 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की गई है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अनुसार, मीरा-भायंदर नगर निगम द्वारा घोड़बंदर क्षेत्र के सर्वे नंबर 233 स्थित स्थल पर 16 फुट ऊंची डॉ. अंबेडकर की पूर्ण प्रतिमा स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा स्थापना की प्रक्रिया अगले छह महीनों में पूरी होने की संभावना है। यह जानकारी सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट की उपस्थिति में मंत्रालय में आयोजित बैठक के बाद दी गई। बैठक में विभागीय सचिव हर्षदीप कांबले, नगर निगम आयुक्त राधा बिनोद शर्मा, नगर अभियंता दीपक खंबित सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री सरनाईक ने बताया कि लगभग 3800 वर्ग मीटर भूमि जिला कलेक्टर के माध्यम से सामाजिक न्याय विभाग को हस्तांतरित की जा चुकी है। इस स्थान पर डॉ. अंबेडकर स्मारक और एक बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए पहले 14 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। बाद में, तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में इस परियोजना के लिए 20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त निधि भी स्वीकृत की गई। इस परियोजना के तहत लंदन स्थित स्मारक की तर्ज पर ठाणे जिले में पहला भव्य डॉ. अंबेडकर स्मारक मीरा-भायंदर में बनाया जा रहा है। साथ ही, स्थानीय नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए 16 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापना की पहल की गई है, जिसके लिए लगभग 200 वर्ग मीटर भूमि निर्धारित की गई है। सरकारी दिशानिर्देशों (2 मई 2017) के अनुसार आवश्यक अनुमति, अनापत्ति प्रमाण पत्र और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति को प्रस्ताव भेजा गया है। इन सभी प्रक्रियाओं के चलते मीरा-भायंदर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के भव्य स्मारक और पूर्ण आकार की प्रतिमा का निर्माण कार्य जल्द ही गति पकड़ेगा, ऐसा विश्वास मंत्री प्रताप सरनाईक ने व्यक्त किया।

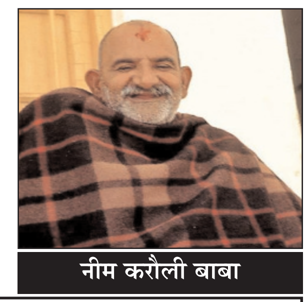

नीम करौली बाबा


**उत्तरशक्ति**

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

**पत्राचार कार्यालय:**
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

**स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति** द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
**पत्राचार कार्यालय:** मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

# पाइप लाइन में लिकेज ठीक करने के दौरान दो मजदूर मिट्टी से दबे, मौत

**रियाजुल हक**

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के देवकली बाजार स्थित चौकिया शिवालय के पास पाइपलाइन बिछाने के कार्य के दौरान बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। जमीन के भीतर करीब 30 फीट गहराई में वेल्डिंग का काम कर रहे दो मजदूर अचानक मिट्टी धंसने से मलबे में दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

मृतकों की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी प्रिंस कुमार (20) और निरंजन कुमार महतो (32) के रूप में हुई है। दोनों मजदूर पाइपलाइन में हुए लिकेज को ठीक करने के लिए गड्ढे के अंदर वेल्डिंग का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ऊपर से मिट्टी भरभराकर गिर पड़ी और दोनों मजदूर नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि गड्ढा काफी गहरा था और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

एएसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मिट्टी ढहने के कारण हादसा होना प्रतीत हो रहा है।

# मानवीय पहल: असहाय के सहारे बने पूर्व सांसद धनंजय सिंह

## दृष्टिहीन व दिव्यांग लल्लू गुप्ता को मिला सहारा, इलाज के लिए हरसंभव मदद का भरोसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के मनवल गांव से एक भावुक और प्रेरणादायक मानवीय पहल सामने आई है, जहां गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक असहाय व्यक्ति के लिए उम्मीद की किरण बनकर पूर्व सांसद धनंजय सिंह आगे आए।

मनवल गांव निवासी लल्लू गुप्ता, जो दृष्टिहीन होने के साथ-साथ एक पैर से दिव्यांग हैं, इन दिनों हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी से संघर्ष कर रहे हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण उनके समुचित इलाज में कठिनाइयां आ रही थीं। ऐसे संकट की घड़ी में जब परिजन मदद की आस लेकर धनंजय सिंह के पास पहुंचे, तो उन्होंने बिना देर किए मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया।

पूर्व सांसद ने न सिर्फ पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया, बल्कि यह भरोसा भी दिलाया कि इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने तत्काल आशादीप हॉस्पिटल के डॉ. बी. एस. उपाध्याय से संपर्क कर मरीज की गंभीर स्थिति से अवगत कराया और विशेष ध्यान देकर इलाज सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि उपचार में आने वाली हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

धनंजय सिंह की इस पहल ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे केवल जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर, असहाय और जरूरतमंद वर्ग के सच्चे सहारा हैं। उनका यह कदम मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी वे सरायख्वाजा के चर्चित डबल मर्डर केस तथा अनुराग यादव हत्याकांड जैसे मामलों में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होकर मदद की मिसाल पेश कर चुके हैं। उनकी पहल से समाज में सहयोग और सहानुभूति की एक नई श्रृंखला भी बनी है। इस तरह की मानवीय पहल न केवल जरूरतमंदों को राहत देती है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करती।

# सोनभद्र में अवैध डीजल-पेट्रोल कारोबार का भंडाफोड़, 800 लीटर डीजल व 30 लीटर पेट्रोल जब्त

**सुशील कुमार तिवारी**

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत

शक्तिनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से डीजल व पेट्रोल की खरीद-फरोख्त का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से करीब 800 लीटर डीजल और 30 लीटर पेट्रोल समेत एक पिकअप वाहन को जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष शक्तिनगर कमल नयन दूबे की टीम ने पूर्ति निरीक्षक म्योरपुर दुद्धी अखिलेश कुमार तिवारी के साथ संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर बोदरा बाबा के पास ग्राम खड़िया क्षेत्र में घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन संख्या यूपी64 सीटी5897 को रोका गया।

तलाशी के दौरान वाहन पर रखे चार प्लास्टिक ड्रमों में प्रत्येक में लगभग 200 लीटर डीजल तथा एक प्लास्टिक जरिकेन में करीब 30 लीटर पेट्रोल पाया गया। कुल मिलाकर 800 लीटर डीजल व 30 लीटर पेट्रोल बिना किसी वैध प्रपत्र के परिवहन किया जा रहा था, जिसे पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया।

इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक द्वारा तहरीर दी गई, जिसके आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

**बरामदगी का विवरण:** एक पिकअप वाहन संख्या यूपी64 सीटी5897, 04 प्लास्टिक ड्रम (कुल 800 लीटर डीजल), 01 प्लास्टिक जरिकेन (30 लीटर पेट्रोल)।

**कार्रवाई में शामिल टीम:** थानाध्यक्ष शक्तिनगर कमल नयन दूबे, हेड कांस्टेबल मुनीष यादव, हेड कांस्टेबल राजेश यादव एवं पूर्ति निरीक्षक अखिलेश कुमार तिवारी प्रमुख रूप से शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध ईंधन कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है।

# मालवीय ब्रिज से युवक ने लगाई गंगा में छलांग, एनडीआरएफ ने बचाई जान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मालवीय ब्रिज पर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक अचानक पुल पर चढ़ गया और हंगामा करने लगा। मामला आदमपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और युवक को समझाने का प्रयास करने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक काफी देर तक पुल पर चढ़कर शोर-शराबा करता रहा, जिससे वहां लोगों की भीड़ जुट गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेस्क्यू के दौरान युवक ने एक एनडीआरएफ जवान को थप्पड़ मार दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। इसी बीच अचानक युवक ने गंगा नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, एनडीआरएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कुछ ही देर में युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद क्षेत्र में हलचल बनी रही। फिलहाल पुलिस युवक की पहचान करने और इस कदम के पीछे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

# क्रॉप कटिंग कर फसलों के उत्पादन का किया जा रहा आकलन

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील क्षेत्र अंतर्गत भारत सरकार द्वारा देश के किसानों के उत्पादित फसलों का सरकार अपने अधिकारियों से क्राप कटिंग करके फसलों के उत्पादन का आकलन कर रही है। यह क्रॉप कटिंग प्रदेश के प्रत्येक जिलों में प्रत्येक तहसीलों में हो रहा है। अधिकारी जिलों में प्रत्येक तहसील के चयनित ग्रामों में जाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा कराने वाले किसानों के फसलों की कटिंग अपने सामने करके उसकी हार्वेस्टिंग कराकर फसलों के उत्पादन का आकलन कर रहे हैं। जौनपुर जिले के मछली शहर तहसील स्थित चयनित ग्राम वारी में क्राप कटिंग के लिए आजमगढ़ मंडल के उपनिदेशक राष्ट्रीय सांख्यिकीय सेवा अधिकारी श्रवण कुमार यादव व राष्ट्रीय सांख्यिकीय मंडल अधिकारी आजमगढ़ शैलेंद्र सिंह ग्रामवारी में अपनी टीम के साथ आकर किसान हीरालाल के फसल की क्रॉप कटिंग कराकर फसल उत्पादन का आकलन किया। क्राप कटिंग के दो प्रयोग किए। प्रथम प्रयोग में (10X10X10) मीटर के सम बाहु त्रिभुज के क्षेत्रफल के फसल की कटाई व हार्वेस्टिंग कराए तो उत्पाद फसल उत्पादन 17.490 किलोग्राम तथा दूसरे प्रयोग में 10.390 किलोग्राम उत्पादन का आंकड़ा आया। इस क्रॉप कटिंग की टीम में अधिकारियों के साथ कटाई निरीक्षक वेद प्रकाश मौर्य ओम दत्त राजस्व निरीक्षक निर्भय नाथ यादव लेखपाल पुष्पेंद्र व सूरज सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे जो सरकारी उत्पादन से कम है। इस तरह से इस बे मौसम बरसात वह मौसम के उतार चढ़ाव के कारण किसानों के फसलों का उत्पादन कम है। इस उत्पादन का आंकड़ा करने के बाद सरकार एक अनुमान लगती है कि हमारे देश में फसल कितना उत्पादन हुआ है। इस तरह से प्रत्येक वर्ष सरकार अपने स्तर से आंकड़ा प्राप्त करती है और इस उत्पादन के आधार पर ही सरकार फसलों का इंपोर्ट व एक्सपोर्ट करती है।

# यूपी पुलिस के 5 एसओ पर ऐक्शन, डीजीपी ने 2 सीओ के खिलाफ भी जांच बिठाई

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने 20 जिलों में यातायात में सुधार के लिए पायलेट प्रोजेक्ट की शुरूआत के साथ ही सड़क हादसों की रोकथाम में विफल रहे पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई भी शुरू की है। उनके निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं में अपेक्षित सुधार न करने वाले पांच एसओ को लाइन हाजिर किए जाने के साथ ही बाराबंकी व जौनपुर के सीओ यातायात के विरुद्ध प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। डीजीपी ने बुधवार को अपराध समीक्षा बैठक में जनसनवाई में और सुधार किए जाने समेत अन्य निर्देश भी दिए। डीजीपी ने जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेडएफडी) अभियान की समीक्षा की। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए चिन्हित 487 थानों में 46 थाने ऐसे पाए गए, जहां दुर्घटना की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे खराब प्रदर्शन वाले पांच थानों के एसओ को हटाया गया है। इनमें वाराणसी के चोलापुर एसओ दीपक कुमार, गोरखपुर के कैम्पियरगंज एसओ जितेन्द्र सिंह, कन्नौज के छिबरामऊ एसओ विष्णुकान्त तिवारी, बाराबंकी के रामसनेही घाट एसओ जगदीश प्रसाद शुक्ला और जौनपुर के सिकरारा एसओ उदय प्रताप सिंह शामिल हैं।

**समय पर विवेचना पूरी किए जाने समेत अन्य निर्देश दिए:** इनके अलावा बाराबंकी के सीओ यातायात आलोक कुमार पाठक और जौनपुर के सीओ यातायात गिरेन्द्र कुमार सिंह के विरुद्ध प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। डीजीपी ने बैठक में जनशिकायतों के निस्तारण की नियमित और गहन समीक्षा सुनिश्चित करते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने, विवेचना में वैज्ञानिक साक्ष्यों को बढ़ाने, समय पर विवेचना पूरी किए जाने समेत अन्य निर्देश दिए। बैठक में लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात डीसीपी साउथ अमित कुमार आनन्द ने ई-साक्ष्य एप के विभिन्न चरणों और तकनीकी पहलुओं पर प्रस्तुतिकरण भी दिया।

# मानीकलां में 'स्कूल चलो अभियान' रैली

## छात्रों-अध्यापकों ने शत-प्रतिशत नामांकन का संदेश दिया

**आफताब आलम**

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विकास

खण्ड के मानी कलां में गुरुवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जन जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य शत-प्रतिशत नामांकन और साक्षरता का प्रचार-प्रसार करना था।

रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राओं और अध्यापकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह रैली पूर्व माध्यमिक विद्यालय मानीकलां से शुरू होकर ग्रामीण क्षेत्रों में होते हुए वापस पूर्व माध्यमिक विद्यालय पर समाप्त हुई।

प्रतिभागियों ने अपने हाथों में 'स्कूल चलो अभियान' के बैनर और पोस्टर ले रखे थे। उन्होंने 'आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे और स्कूल में चलकर नाम लिखाओ, मम्मी-पापा हमें पढ़ाओ' जैसे नारे लगाए। इन नारों के माध्यम से स्थानीय लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

इस जागरूकता रैली में पूर्व माध्यमिक विद्यालय मानीकलां के प्रधानाध्यापक भोलानाथ चौहान सहायक अध्यापक घनश्याम मिश्रा ,विकास कुमार यादव सूरज देव मिश्रा, सीता और पूर्व माध्यमिक विद्यालय मानीकलां के पूर्व प्रधानाध्यापक मोहम्मद खालिद सहित कई अन्य लोग शामिल हुए।

# बिना सहमति स्मार्ट मीटर को प्रीपेड में बदलना अवैध, आयोग के सख्त निर्देश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में स्मार्ट मीटर को प्रीपेड मोड में बदलने के मामले को लेकर अहम सुनवाई हुई। आयोग ने बिजली कंपनियों की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए सख्त निर्देश जारी किए हैं। मामले में सामने आया कि प्रदेश में करीब 70

लाख स्मार्ट मीटरों को उपभोक्ताओं की जानकारी और सहमति के बिना ही प्रीपेड मोड में बदल दिया गया था। इस पर आयोग ने नाराजगी जताते हुए इसे नियमों के विरुद्ध करार दिया। आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी स्मार्ट मीटर कनेक्शनों को तत्काल प्रभाव से पोस्टपेड मोड में बहाल किया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि भविष्य में किसी भी उपभोक्ता का मीटर प्रीपेड मोड में तभी बदला जाएगा, जब उसकी लिखित सहमति प्राप्त हो।

# सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण ही कार्यकताओं की पहचान: सुनील यादव

## नदियापारे में ग्राम/बस्ती संपर्क अभियान, कार्यकताओं संग संवाद व स्वच्छता का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला मंडल के ग्राम पंचायत नदियापारे में गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन ने ग्राम/बस्ती संपर्क अभियान के तहत कार्यक्रम में कार्यकताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान जनसंपर्क, चौपाल, स्वच्छता अभियान और कार्यकताओं के सम्मान के माध्यम से संगठन की विचारधारा और जनसेवा का संदेश दिया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि 'भारतीय जनता पार्टी का हर कार्यकर्ता केवल राजनीति नहीं करता, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ समाज के बीच सक्रिय रहता है। ऐसे अभियान संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाते हैं।'

कहा कि स्वच्छता, जनसंपर्क और संवाद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने में मदद मिलती है।

उन्होंने कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए संगठन की नीतियों और जनसेवा के संकल्प को मजबूत किया।

उन्होंने शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकताओं का सम्मान कर उनके समर्पण को नमन किया गया। साथ ही अंत्येष्टि स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। ग्राम पंचायत में जनसंपर्क, चौपाल और संवाद के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बदलाव की शुरूआत अपने आसपास से ही होती है। मौके पर मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह दीपक, मंडल पदाधिकारी, सम्मानित प्रधानगण, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही।

# केराकत में सस्ते गल्ले की दुकान की अनियमितता से नागरिक परेशान, कोटेदार की मनमानी पर रोष

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कस्बे में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान समय से न खुलने के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि राशन की दुकानों को निर्धारित समय पर खोलकर पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण किया जाए, लेकिन केराकत कस्बे में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

विदित हो कि सरकार ने तीन महीने का खाद्यान्न एक साथ बांटने का निर्देश दिया है। लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि कस्बे के कोटेदार अशोक कुमार गुप्ता के दुकान खोलने और राशन वितरण का कोई निश्चित समय तय नहीं है। कभी दुकान देर से खुलती है तो कभी कई दिनों तक बंद रहती है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को समय पर राशन नहीं मिल पाता। कई बार नागरिकों को घंटों इंतजार करने के बाद भी निराश होकर वापस लौटना पड़ता है।

पूर्व सभासद मोहम्मद असलम सहित अनेक नागरिकों ने अपना नाम न छापने का आग्रह करते हुए बताया कि पूरी आशंका है कि कोटेदार खाद्यान्न को खुले बाजार में बेचने की तरकीब लगाया है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। कोटेदार की इस मनमानी से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। खासकर दैनिक मजदूरी करने वाले परिवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है, क्योंकि उन्हें काम छोड़कर कई बार दुकान पर जाना पड़ता है।

स्थानीय प्रशासन से लोगों ने मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई जाए और दोषी कोटेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही राशन वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी और नियमित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को उनका हक समय पर मिल सके।

इस विषय में केराकत के आपूर्ति निरीक्षक अशोक कुमार ने कोटेदार का बचाव करते हुए बताया कि कोटेदार बीमार है इसीलिए दुकान बंद रखा है। जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि कोटेदार को अक्सर बाजार में टहलते देखा जाता है।

# माइक्रोबायोलॉजी के चार छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एमएससी माइक्रोबायोलॉजी के (चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र 2024-26) चार छात्रों - अविनाश पाठक, श्याम सुंदर चौहान, नितिन चौहान एवं आयुष सिंह का चयन प्रतिष्ठित कंपनी जेए स्टेराइल प्राइवेट लिमिटेड, मेसाना, गुजरात मे चयन हुआ है। यह चयन विभागीय कार्यालय में 16 मार्च 2026 को आयोजित साक्षात्कार के आधार पर किया गया।

कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के प्रोफेसर एवं विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में ट्रेनिंग देकर विद्यार्थियों को लगातार प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वह प्रतियोगिताओं में अपने दक्षता हासिल कर सके।

चयनित छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन से विश्वविद्यालय और विभाग का नाम गौरवान्वित किया है। डॉ एस पी तिवारी एवं शिक्षकों ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विभागाध्यक्ष ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

# जो पीडीए हित की बात करेगा, वही दिल्ली पर राज करेगा: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश की राजनीति को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि अब देश में सत्ता का रास्ता जाति और धर्म की राजनीति से नहीं, बल्कि पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समाज के अधिकार, सम्मान और भागीदारी से होकर गुजरेगा।

अरशद खान ने कहा, जो पीडीए हित की बात करेगा, वही दिल्ली पर राज करेगा। देश की जनता अब जाग चुकी है और अपने अधिकारों के लिए संगठित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रही ताकतों ने पीडीए समाज को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन अब यह समाज अपने हक के लिए संघर्ष करने को तैयार है।

**2027 में यूपी में बदलाव का दावा:** उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा। उनके अनुसार, अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि किसान, नौजवान, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग अब अन्याय और भेदभाव के खिलाफ एकजुट हो चुके हैं।

**2029 में दिल्ली में पीडीए सरकार:** अरशद खान ने आगे दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बदलाव के बाद 2029 में केंद्र की सत्ता भी बदलेगी। उन्होंने कहा, 'दिल्ली की सत्ता पर वही बैठेगा जो सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा की बात करेगा। 2029 में देश में पीडीए की सरकार बनना तय है।'

**संविधान और सामाजिक न्याय पर जोर:** उन्होंने कहा कि यह केवल चुनावी लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने की लड़ाई है। इस दौरान उन्होंने बी.आर. आम्बेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को उसका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

**किसान और नौजवान के मुद्दे उठाए:** अरशद खान ने कहा कि आज किसान परेशान है, नौजवान बेरोजगारी से जूझ रहा है और आम जनता महंगाई से त्रस्त है। उन्होंने दावा किया कि पीडीए ही देश को नई दिशा दे सकता है, जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिलेगा।

**जनता से अपील:** अंत में उन्होंने देशवासियों से पीडीए आंदोलन को मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि एक ऐसा भारत बनाया जाए जहां हर वर्ग को उसकी आबादी के अनुपात में अधिकार और भागीदारी मिल सके।

# जौनपुर के डॉ.यूसुफ अंसारी हज सेवा के लिए सऊदी अरब रवाना

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद के निवासी एवं लखनऊ के बलरामपुर हॉस्पिटल में कार्यरत वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.यूसुफ अंसारी को इस वर्ष हज सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा सऊदी अरब भेजा जा रहा है। वह वहां हज यात्रियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे।

डॉ.अंसारी, जो कि समाजसेवी इसराइल भाई सुरती वाले के छोटे भाई हैं, हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं देते हुए हज के दौरान

भारतीय जायरीनों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखेंगे। उनकी तैनाती भारत सरकार की ओर से सऊदी अरब में हज मिशन के तहत की गई है। हज यात्रा के दौरान शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या अन्य बीमारियों से ग्रसित जायरीन डॉ. यूसुफ अंसारी से संपर्क कर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ.अंसारी की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर जौनपुर सहित क्षेत्र में खुशी की लहर है। लोगों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

# उप-सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने डॉ.मोहम्मद शौकत खान को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

**खेतासराय में सादगी के साथ मनाया गया जन्मदिन, शुभचिंतकों का लगा तांता**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय स्थित हबीब हॉस्पिटल के संस्थापक, मिलनसार और खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी डॉ. मोहम्मद शौकत खान का जन्मदिन बुधवार को सादगी और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाजसेवी, चिकित्सक और आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप सम्पादक डॉ. इम्तियाज अहमद ने डॉ. शौकत खान को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि डॉ. खान का जीवन समाजसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है और वे लगातार जरूरतमंदों के लिए

प्रेरणा बने हुए हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने डॉ. खान के सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हबीब हॉस्पिटल के माध्यम से वर्षों से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जो एक मिसाल है।

जन्मदिन के अवसर पर अस्पताल परिसर में केक काटकर खुशियां मनाई गईं। उपस्थित लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

डॉ. मोहम्मद शौकत खान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों का स्नेह और सम्मान ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और वे आगे भी इसी तरह समाज की सेवा करते रहेंगे।

इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख लोग एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे, जिन्होंने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

## रंजू झा बनी भाजपा मुंबई इकाई की उपाध्यक्ष

**वसई रोड।** श्रीमती रंजू झा को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुंबई इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की खबर से कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मुंबई में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुंबई भाजपा के भीतर रंजू झा की सक्रिय भूमिका और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीमती रंजू झा ने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और शुभेच्छकों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे संगठन को और मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी और भाजपा को नए शिखर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने भरोसा जताया कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी का विस्तार और प्रभाव दोनों बढ़ेगा, जिससे आने वाले समय में भाजपा और अधिक सशक्त होकर उभरेगी।

## अभिनेत्री नीलू वाघेला के हाथों ब्यूटी आर्टिस्ट्स को मिले अवॉर्ड

**दीया और बाती हम के गीत पर भाभो ने बांधा समां**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति )।** पड़ोसी जिले सुल्तानपुर के एक होटल में गुरुवार को आयोजित हेयर स्टाइल एवं ब्यूटीशियन आर्टिस्ट अवॉर्ड समारोह में सौंदर्य और फैशन जगत से जुड़े कलाकारों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टीवी जगत की चर्चित अभिनेत्री नीलू वाघेला की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। उन्होंने अपने हाथों से सभी चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान पाने वालों में जौनपुर जिले के खेतासराय की अर्चना यादव (मनेछा), स्नेह चौरसिया (पोराई), वर्षा गुप्ता (गोरारी), शर्मिला बिन्द (बीबीपुर जमदहा) और अंजली गुप्ता (सरायमीर) शामिल रहीं। सभी प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य, रचनात्मकता और पेशेवर हुनर के लिए समान रूप से अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हर कलाकार को बराबरी का मंच और पहचान मिली, जो आयोजन की विशेषता रही। नीलू वाघेला, जो लोकप्रिय टीवी शो दीया और बाती हम में ह्यभाभोह्न के किरदार से घर-घर में जानी जाती हैं, ने मंच पर अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनके डांस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं, जिससे माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

इस मौके पर मॉडल-एक्ट्रेस एवं अंतरराष्ट्रीय हेयर आर्टिस्ट नसीम सलमानी सहित कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। आयोजन का उद्देश्य ब्यूटीशियन, मेकअप आर्टिस्ट और हेयर आर्टिस्ट के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को पहचान दिलाना और उनके हुनर को प्रोत्साहित करना रहा।

## स्थापना दिवस पर अभियान के तहत एमएलसी ने झाड़ू लगाकर किया साफ सफाई

**वाराणसी ( उत्तरशक्ति )।** जनपद के रोहनिया विधानसभा रोहनिया के ककरमत्ता 38 वार्ड के जलालीपट्टी में पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत सदस्य विधान परिषद व भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी के साथ झाड़ू लगाकर साफ सफाई किया। जिसके दौरान जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान ओम प्रकाश प्रियदर्शी,पार्षद प्रतिनिधि अजय कुमार बिंद,पुर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र केशरी,विहारी पटेल,सतीश प्रजापति,सुधीर प्रजापति,चंद्रेश सिंह,विजय प्रताप सिंह,मंगल राय,ओम प्रकाश पटेल,मनोज पटेल ,विष्णु आदि प्रमुख कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

## जौनपुर में फायरिंग कर भैंस लूट ले गए बदमाश, इलाके में दहशत

**कलीम सिद्दीकी**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुकुड़ीपुर गांव में बीती रात बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। पिकअप सवार चोर फायरिंग करते हुए दो भैंस लादकर फरार हो गए, जबकि तीसरी भैंस ले जाने का प्रयास ग्रामीणों के जाग जाने से नाकाम रहा। जानकारी के अनुसार कुकुड़ीपुर निवासी रामसागर यादव देवकली माइनर के पास बनी अपनी पाही (पशुशाला) में सो रहे थे, जहां उनके मवेशी भी बंधे थे। देर रात करीब 12 बजे पशुओं की आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। बाहर आकर देखा तो कुछ लोग मुंह बांधे भैंस खोल रहे थे। रामसागर के शोर मचाने और विरोध करने पर बदमाशों ने उन पर ईंट-पत्थर चलाना शुरू कर दिया और फायरिंग भी की। इस दौरान उन्हें हल्की चोटें आईं। बावजूद इसके उन्होंने शोर मचाना जारी रखा, जिससे आसपास के लोग जाग गए। ग्रामीणों के जुटने की आहट पाकर बदमाश दो भैंस पिकअप में लादकर करंजाकला बाजार की ओर भाग निकले। पीड़ित के अनुसार बदमाशों की संख्या 5 से अधिक थी और वे सफेद रंग की पिकअप में सवार थे। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

## मछलीशहर में भीषण सड़क हादसा, दो युवक गंभीर रूप से घायल

**अरशद अली**

**मछलीशहर,जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** मछलीशहर क्षेत्र के मीरपुर चौराहा स्थित कमला हॉस्पिटल के पास गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 5:30 बजे यह हादसा हुआ, जब तेज गति से आ रही गाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों की पहचान सूरज सिंह और उसके साथी के रूप में हुई है, जो ग्राम पौंहा के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

## विद्युत विभाग का मेंटेनेंस कार्य जारी, आगामी गर्मी में जनता को मिलेगी राहत

**अनवर हुसैन**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** अहियापुर क्षेत्र के अंतर्गत आदमपुर पुलिया के पास आगामी गर्मी को देखते हुए विद्युत विभाग सक्रिय नजर आ रहा है। अवर अभियंता नीरज कुमार की देखरेख में ट्रांसफार्मरों के अनुरक्षण एवं मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है, ताकि गर्मी के मौसम में उपभोक्ताओं को बिजली संबंधित किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। विभाग द्वारा समय रहते ट्रांसफार्मरों की जांच, साफ-सफाई और आवश्यक मरम्मत कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे ओवरलोडिंग, फाल्ट और अचानक विद्युत कटौती जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय से हो रहा यह अनुरक्षण कार्य गर्मी में राहत दिलाने में कारगर साबित हो सकता है। इस मौके पर अली मेंहदी, फैजी हैदर, रवि, कुंदन, संतोष, सुशील कुमार, विष्णु, अशोक और विनोद आदि कर्मचारियों ने कार्य में सहयोग किया।

# नालासोपारा में ऑक्युपायर क्लास-2 बिल्डिंग्स के सातबारा मुद्दे के समाधान की दिशा में अहम कदम

**नालासोपारा।** नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में ऑक्युपायर क्लास-2 की हाउसिंग सोसाइटियों के सातबारा ट्रांसफर से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दे के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। राज्य के रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को मंत्रालय में विधायक राजन नाइक के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। यह बैठक विधानसभा सत्र में विधायक राजन नाइक द्वारा उठाए गए प्रश्न के संदर्भ में मंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा करने के उद्देश्य से बुलाई गई थी।

बैठक में ऑक्युपायर क्लास-2 जमीनों पर बनी इमारतों के पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) में आने वाली तकनीकी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इन इमारतों के नाम पर सातबारा दर्ज करने के लिए दो मुख्य प्रक्रियाएं आवश्यक हैं– जमीन को ऑक्युपायर क्लास-2 से क्लास-1 में परिवर्तित करना को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के नाम पर स्वामित्व (ओनरशिप) ट्रांसफर करना विधायक राजन नाइक ने बैठक में बताया कि वर्तमान में यह स्थिति उत्पन्न हो गई है कि एक प्रक्रिया दूसरी के पूर्ण होने पर निर्भर है, जिससे पूरा काम अटक गया है। रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए कहा कि को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटियां कानूनी रूप से मालिकाना हक रखती हैं, इसलिए उन्हें न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि विधानसभा में किए गए वादे के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। बैठक में यह भी सामने आया कि कुछ इमारतों का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि कुछ को ह्यडीम्ड कन्वेयंस के आदेश प्राप्त हो चुके हैं। बावजूद इसके, क्लास-2 जमीन होने के कारण रजिस्ट्रेशन और ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि क्लास-2 जमीनों के सातबारा टाइटल पर सोसाइटी का नाम दर्ज करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है। उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि संबंधित सोसाइटियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर केस-टू-केस आधार पर समाधान निकाला जाए और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाए। यदि किसी प्रकार की तकनीकी अड़चन आती है, तो उसका प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने के भी निर्देश दिए गए। इस बैठक में विधायक राजन नाइक के साथ कॉर्पोरेटर पंकज देशमुख भी उपस्थित थे। कोंकण डिविजनल कमिश्नर, जिला कलेक्टर, म्युनिसिपल एडिशनल कमिश्नर और जॉइंट रजिस्ट्रार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। उल्लेखनीय है कि नालासोपारा क्षेत्र में कई पुरानी और जर्जर इमारतें हैं, जिनका पुनर्विकास अत्यंत आवश्यक है। ऑक्युपायर क्लास-2 जमीन से जुड़े मुद्दों के कारण सैकड़ों परिवार असुरक्षा की स्थिति में जीवन जी रहे हैं। इस निर्णय से उन्हें बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट द्वारा मीडिया को दी गई।

## विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने म्युनिसिपल कमिश्नर से की मुलाकात

**वसई रोड।** वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (VVMC) में हाल ही में एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट का आयोजन हुआ, जिसमें वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने म्युनिसिपल कमिश्नर पृथ्वीराज बी.पी. से मुलाकात की। यह मुलाकात गुडविल जेस्चर के तौर पर हुई, लेकिन इसके पीछे क्षेत्रीय विकास और समन्वय को लेकर गंभीर चर्चा भी शामिल रही। इस अवसर पर कई प्रमुख जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें खासदार डॉ. हेमंत विष्णु सवारा, विधायक राजन नाईक, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके और कॉर्पोरेटर अभय कक्कड़ शामिल थे। बैठक के दौरान शहर के विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं में सुधार, और नागरिकों की समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल बनाकर वसई-विरार क्षेत्र में तेजी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि इस तरह की मुलाकातें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद को मजबूत बनाती हैं, जिससे जनता की समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी तरीके से हो सकता है। वहीं, कमिश्नर पृथ्वीराज बी.पी. ने भी आश्वासन दिया कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी सुझावों पर गंभीरता से काम किया जाएगा। यह बैठक वसई-विरार के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है, जिससे आने वाले समय में क्षेत्र में कई नई योजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग कॅम्प संपन्न

**वसई रोड।** ग्रीन पैराडाइज रिजॉर्ट, अनार्ला, विरार वेस्ट में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग कैंप 2026भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आयोजित दो दिन के ट्रेनिंग कैंप ₹पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग कैंप 2026₹ का उद्घाटन समारोह विरार में बहुत ही जोश और प्रेरणा देने वाले माहौल में हुआ। इस कैंपेन का मुख्य मकसद हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा, उसके संघर्ष के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका से पूरी तरह से परिचित कराना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ₹अंत्योदय₹ की विचारधारा के आधार पर उनका मार्गदर्शन करके सेवा, समर्पण और संगठन निर्माण के महत्व पर जोर दिया गया। इस ट्रेनिंग में एक जरूरी संदेश दिया गया कि कार्यकताओं को सिर्फ. राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि राष्ट्रवाद की भावना के जरिए समाज से जुड़ना चाहिए। यह ट्रेनिंग कैंपेन सिर्फ.एक प्रोग्राम नहीं है, बल्कि नए विचारों को जगाने और संगठन को और ज्यादा काबिल बनाने की एक पक्की कोशिश है। यह एक संकल्प-निर्माण वाली विचारधारा थी। समारोह। इस प्रोग्राम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, भाजप वसई-विरार डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्रीमती प्रज्ञा ताई पाटिल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट महेंद्र पाटिल, डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी मनोज बारोट, जोगेंद्र प्रसाद चौबे, बिजेंद्र कुमार, नेता विपक्ष मनोज पाटिल, वसई वेस्ट मंडल प्रेसिडेंट आशीष जोशी, वसई रोड मंडल प्रेसिडेंट और कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर, वसई सिटी मंडल प्रेसिडेंट श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, वसई ईस्ट साउथ मंडल प्रेसिडेंट उदय शेट्टी, वसई ईस्ट नॉर्थ मंडल प्रेसिडेंट कुणाल घरत, वसई ईस्ट वालिव मंडल प्रेसिडेंट सूर्यकांत वाघमारे के साथ-साथ सभी कॉर्पोरेटर, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रोग्राम के सफल आयोजन से कार्यकर्ताओं में एक नया जोश पैदा हुआ है, और सभी ने आने वाले समय में पार्टी की विचारधारा को और ज्यादा असरदार तरीके से लोगों तक पहुंचाने का अपना इरादा जताया।

# हर दिल से निकला राम, नरूला के सुरों ने जगाई काशी

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी(उत्तरशक्ति)।** काशी की आध्यात्मिक धड़कनों के बीच, हनुमज्जयन्ती के पावन अवसर पर आयोजित संकट मोचन संगीत समारोह की तीसरी निशा मानो सुरों की एक दिव्य यज्ञशाला बन गई। मुक्ताकाशी मंच पर सजी इस संगीतमयी साधना में देश के ख्याति प्राप्त वरिष्ठ और युवा कलाकारों का संगम ऐसा था, जहां परंपरा ने अनुभव के साथ शिक्षा दी और नव्यता ने विनम्रता से उसे आत्मसात किया। यह मंच केवल प्रस्तुति का स्थल नहीं, बल्कि वह आध्यात्मिक भूमि है, जहां कलाकार और श्रोता दोनों बंधनों से मुक्त होकर संगीत के विराट रूप में विलीन हो जाते हैं। तीसरी निशा का प्रथम अध्याय पुणे से पधारे पं. उल्हास कशालकर के गंभीर और साधनापूर्ण गायन से आरंभ हुआ। राग भूपाली में तिलवाड़ा ताल की विलंबित बंदिश और तीनताल में द्रुत तथा तराना ने वातावरण को शास्त्रीय गरिमा से भर दिया। इसके बाद राग सहाना में झपताल और एकताल की बंदिशों ने प्रस्तुति को और भी समृद्ध किया। तबले पर पं. सुरेश तलवलकर, संवादिनी पर डॉ. विनय मिश्र और संगत में ओजश प्रताप सिंह ने इस प्रस्तुति को सामूहिक साधना का रूप दिया। दूसरी प्रस्तुति में मुंबई से आए श्री विवेक सोनार की बांसुरी ने राग जोग की मधुरता को जीवंत कर दिया। आलापचारी के बाद मत्तताल और तीनताल की बंदिशों ने श्रोताओं को एक अलौकिक यात्रा पर ले जाया। तबले पर पं. शुभ महाराज की संगत ने इस प्रस्तुति को संतुलन और लय का उत्कृष्ट उदाहरण बना दिया।

तीसरी निशा का सबसे भावपूर्ण और केंद्रबिंदु क्षण वह था, जब मंच पर आईं पद्मश्री सम्मानित गायिका जसपिंदर नरूला। उनकी उपस्थिति ने पूरे वातावरण को एक नई ऊर्जा से भर दिया। राम भजन से आरंभ कर उन्होंने हनुमान भक्ति और फिर कृष्ण भक्ति तक भजनों की ऐसी श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें भक्ति का विस्तार और गहराई दोनों दिखाई दिए। राम आएंगे...की पुकार ने वातावरण को राममय कर दिया, तो तू न संभाले तो मुझे कौन संभाले, हनुमान... ने हर श्रोता के भीतर छिपे समर्पण को जागृत किया। बारिश ने भी इस भक्ति-धारा को रोकने का प्रयास किया, लेकिन श्रोताओं की आस्था अडिग रही। कोई अपनी जगह से नहीं हटा, यह दृश्य स्वयं इस बात का प्रमाण था कि जब संगीत भक्ति बन जाए, तो प्रकृति भी उसके सामने झुक जाती है। उनके साथ अंकित शर्मा, कृति सिंह, गुरुविंदर भोला, संजय शर्मा, विनय प्रसन्ना और सतनारायण की संगत ने इस प्रस्तुति को पूर्णता प्रदान की।

चौथी प्रस्तुति में कोलकाता से पधारी विदुषी कौशिकी चक्रवर्ती ने राग अभोगी में झुमरा ताल से शुरूआत कर अपनी गायकी की गहराई का परिचय दिया। इसके बाद ठुमरी की मिठास ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। तबले पर आर्चिक बनर्जी, सारंगी पर उस्ताद मुराद अली खां और संवादिनी पर ज्योतिर्मय बनर्जी ने इस प्रस्तुति को ऊंचाई दी। पांचवीं प्रस्तुति में पं. देवाशीष भट्टाचार्या ने गिटार के माध्यम से राग हनुमान कान्हाड़ा की अवतारणा कर श्रोताओं को चमत्कृत कर दिया। झपताल, एकताल और तीनताल की गतकारी में उनकी तैयारी अद्भुत रही। पीलू की ठुमरी के साथ उन्होंने प्रस्तुति को एक मधुर विराम दिया।

छठवीं प्रस्तुति में पं. महेश काल ने राग रागेश्री और परम सोहिनी के माध्यम से अपनी गायकी की विविधता का परिचय दिया। झूमरा, झपताल और तीनताल में निबद्ध बंदिशों ने श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत की गहराई में डुबो दिया। अंतिम प्रस्तुति में पं. आलोक लाहिड़ी और अभिषेक लाहिड़ी ने राग बसंत मुखारी की अवतारणा कर भोर को आमंत्रित किया। उनकी सरोद की तान में राग की मानसिकता स्पष्ट झलक रही थी। तबले पर पं. समर साहा की संगत ने इस प्रस्तुति को पूर्णता दी और एक सुरीली सुबह का आगाज हुआ।

## बदलापुर में KDR फाउंडेशन द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

**शिव पूजन पाण्डेय जौनपुर (उत्तरशक्ति )।** सेवा सबसे बड़ा धर्म है। निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना, मानवता की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। जरूरतमंदों, माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा से न केवल आत्मा को संतोष मिलता है, बल्कि समाज में प्रेम और सद्भाव भी बढ़ता है। केवला देवी रामबहाल फाउंडेशन एक ऐसी सामाजिक संस्था है जो पिछले कई वर्षों से ग्रामीण भागों में लगातार जन सेवा का पुनीत काम कर रही है। विशेषकर जरूरतमंद एवं गरीब लोगों के निशुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद जांच तथा चयनित मरीजों के लिए निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण सुविधा की दिशा में यह संस्था अब तक हजारों मरीजों के अंधेरे जीवन को उजालों में बदल चुकी है।संस्था द्वारा 9 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक, जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित कठार गांव के केडीआर हाउस में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें करीब 100 लोगों ने लाभ उठाया। आर जे शंकरा आंख अस्पताल की तरफ से डॉ मुमताज अली, डॉ प्रिया तथा डॉ. अर्चना की टीम ने लोगों का नेत्र परीक्षण किया।

संस्था के अध्यक्ष विनोद आर सिंह ने बताया कि चयनित मरीजों को वाराणसी स्थित आरजे शंकरा आंख अस्पताल ले जाया जाएगा। बस सेवा भी पूरी तरह से निशुल्क होगी। मरीजों के उपचार एवं भोजन की व्यवस्था अस्पताल द्वारा निशुल्क किया गया है। शिविर में आए अनेक लोगों ने बताया कि पिछले अनेक वर्षों से संस्था द्वारा सुंदर तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों के साथ-साथ दूर के लोगों को भी लाभ मिल रहा है।

शिविर में आयोजक के रूप में उपस्थित ठाकुर अमरधारी सिंह, अशोक सिंह, विनय सिंह, सौरभ सिंह, विकास सिंह तथा उनके सहयोगियों त्रिभुवन सिंह, शिवनारायण विश्वकर्मा अंकुर सिंह, सुरेंद्र दुबे, विपिन मिश्रा, आजाद पांडे, उत्तम दुबे आदि ने शिविर में आए लोगों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा।

## एटा में इंसानियत की मिसाल: 66 साल तक साथ निभाने वाले चमन मियाँ को सक्सेना परिवार ने दी अंतिम विदाई

**एटा ( उत्तरशक्ति )।** एटा जिले के मारहरा कस्बे से इंसानियत और आपसी भाईचारे की एक दिल छू लेने वाली मिसाल सामने आई है। यहां 75 वर्षीय चमन मियाँ, जिन्होंने अपना पूरा जीवन सक्सेना परिवार के साथ बिताया, अब इस दुनिया को अलविदा कह गए। बताया जाता है कि चमन मियाँ को बचपन में ही शारदा सक्सेना अपने साथ ले आए थे और उनकी परवरिश की। समय के साथ वह परिवार का अभिन्न हिस्सा बन गए। शारदा सक्सेना के निधन के बाद उनके पुत्र डॉ. विमलचंद्र सक्सेना ने भी चमन मियाँ को वही सम्मान और स्नेह दिया। वर्ष 2018 में डॉ. विमलचंद्र सक्सेना के निधन के बाद उनके पुत्र डॉ. सुबोध सक्सेना ने इस रिश्ते को पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाया। बुधवार को चमन मियाँ ने सक्सेना परिवार के घर में अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद सक्सेना परिवार ने पूरी संवेदनशीलता और सम्मान के साथ उनके धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार की सभी रस्में निभाईं। जुहर की नमाज के बाद चमन मियाँ की जनाजे की नमाज अदा की गई, जिसमें सक्सेना परिवार के सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने खुद जनाजा कंधे पर उठाकर कब्रिस्तान तक पहुंचाया। डॉ. सुबोध सक्सेना ने बड़े बेटे का फर्ज निभाते हुए सबसे पहले कब्र में मिट्टी दी, जिसके बाद अन्य लोगों ने भी उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे, जिनकी आंखें नम थीं। करीब 66 वर्षों तक एक ही परिवार में रहकर चमन मियाँ ने जो रिश्ता निभाया, उसे सक्सेना परिवार ने अंत तक पूरी शिद्दत से निभाया। यह घटना न केवल एक परिवार की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि समाज में मौजूद उस भाईचारे की भी झलक दिखाती है, जो हर परिस्थिति में इंसानियत को सबसे ऊपर रखता है। यह कहानी बताती है कि रिश्ते खून से नहीं, बल्कि दिल से बनते हैं – और यही असली समाज की पहचान है।

## हंगामा ओटीटी ने 'मंगल मुखी' की घोषणा की

मुंबई। भारत के अग्रणी डिजिटल मनोरंजन प्लेटफॉर्मों में से एक, हंगामा ओटीटी ने अपनी नवीनतम मूल श्रृंखला, मंगलमुखी को 9 अप्रैल 2026 को लॉन्च किया, जो वाराणसी और मुंबई की विपरीत पृष्ठभूमि में सामने आने वाला एक अपराध नाटक है। नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा के साथ एक शक्तिशाली मुख्य भूमिका में एला डी वर्मा अभिनीत यह श्रृंखला पहचान, गरिमा और लचीलेपन की भावनात्मक रूप से स्तरित कथा के साथ एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को मिलाती है। मंगलमुखी मंगल की यात्रा का अनुसरण करती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस अधिकारी है, जिसका लंबे समय से उसके विभाग द्वारा उपहास किया जाता है और उसे दरकिनार कर दिया जाता है। लेकिन उसका जीवन एक अप्रत्याशित मोड़ लेता है जब वह अंतरा: अपना पहला बड़ा मामला सामने लाती है, एक लोकप्रिय टीवी स्टार की रहस्यमय ऑन-कैमरा मौत, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे मनोरंजन अंडरवर्ल्ड में खींचती है। शुरू में जो एक दुर्घटना प्रतीत होती है, वह जल्द ही एक डरावनी जांच में बदल जाती है, जिससे मंगल को न केवल न्याय के लिए बल्कि उस मान्यता के लिए लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है जिससे उसे अपने पूरे करियर से वंचित कर दिया गया है। अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, एला डी वर्मा कहती हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस अधिकारी की कहानी नहीं है, यह पहचान, लचीलापन और आत्मविश्वास के बारे में है। उसकी यात्रा लिंग से परे है। यह साबित करने के बारे में है कि आपकी क्षमताएं इस बात से परिभाषित नहीं होती हैं कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, लचीला और निडर है, और यही बात मुझे उसकी ओर आकर्षित करती है। इस चरित्र को निभाना भावनात्मक और सशक्त दोनों रहा है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उनकी ताकत से उतना ही जुड़ेंगे जितना मैंने किया। नमिश तनेजा आगे कहते हैं, यह पहली बार है जब मैं इस तरह की कहानी का हिस्सा बना हूं, और एक ट्रांसजेंडर अभिनेत्री के साथ मिलकर काम करना एक अविस्मरणीय रूप से समृद्ध अनुभव था।

# हर दिल से निकला राम, नरूला के सुरों ने जगाई काशी

*** संकट मोचन की रात : राम आएंगे की पुकार, बनी आस्था का महासागर, जिसे काशी सदियों तक याद रखेगी**

वाराणसी. काशी की आध्यात्मिकता जब संगीत से मिलती है, तो वह केवल एक आयोजन नहीं रह जाती, वह एक जीवंत अनुभूति बन जाती है। संकट मोचन संगीत समारोह की दूसरी और तीसरी निशा इसी अनुभूति की साक्षी बनी, जहां परंपरा, साधना और भक्ति एक साथ प्रवाहित हुईं। लेकिन इस संगीतमयी श्रृंखला का केंद्रबिंदु बनीं पद्मश्री सम्मानित गायिका जसपिंदर नरूला, जिनकी उपस्थिति और प्रस्तुति ने पूरी महफिल को एक अलग ही ऊंचाई प्रदान कर दी।

परंपरा की थाप : तबले पर बनारस घराने की गूंज

दूसरी निशा की पांचवीं प्रस्तुति में बनारस घराने की समृद्ध परंपरा जीवंत हो उठी, जब पं. किशन महाराज के पौत्र पं. शुभ महाराज मंच पर आए। उन्होंने 500 वर्ष प्राचीन बंदिश और 250 वर्ष पुरानी गत को दुगुन में प्रस्तुत कर गुरु परंपरा को सजीव कर दिया। ध्धा-धा धिन...ह्न से शुरू हुई उनकी थाप कभी ढोल की गूंज सी प्रतीत होती, तो कभी पखावज की गंभीरता लिए मंदिर की दीवारों से टकराती। लगभग 60 मिनट की प्रस्तुति में उन्होंने तीन ताल के टुकड़े, तोड़े, तिहाइयां, परन और गतफर्द का ऐसा विस्तार किया कि श्रोता संगीत के सूक्ष्म आयामों में खो गए। उन्होंने अपने गुरुओं, पं. समता प्रसाद, पं. किशन महाराज और पं. हरि महाराज, को याद करते हुए उस परंपरा की झलक दी, जिसे काशी की इन दीवारों ने सदियों से संजोया है।

सितार और तबले की जुगलबंदी : स्वर और लय का संवाद

छठी प्रस्तुति में पं. कुशल दास (सितार) और पं. संजू सहाय (तबला) ने राग परमेश्वरी में आलाप, जोड़ और झाला के माध्यम से ऐसा वातावरण रचा, जिसमें संगीत साधना का चरम दिखाई दिया। विलंबित और द्रुत गत की जुगलबंदी में उनकी तानें और लयकारी इस तरह एक-दूसरे से संवाद करती रहीं कि लगा मानो मंदिर परिसर में राम सिया राम का अनहद नाद गूंज रहा हो। उनींदी आंखों के बीच भी श्रोता इस संगीत में डूबे रहे, यह संगीत की उस शक्ति का प्रमाण था, जो समय और थकान दोनों को भुला देती है।

और फिर... महफिल के केंद्र में जसपिंदर नरूला

इन सभी प्रस्तुतियों के बीच, तीसरी निशा का वह क्षण आया जब पूरा वातावरण एक नई ऊर्जा से भर उठा, जब मंच पर आईं जसपिंदर नरूला। उनके आते ही तालियों की गूंज ने मंदिर प्रांगण को जीवंत कर दिया। उन्होंने जय श्री राम के उद्घोष के साथ अपनी प्रस्तुति आरंभ की, और देखते ही देखते पूरा परिसर भक्ति में डूब गया। राम आएंगे, आएंगे.. जैसे ही यह भजन उनके कंठ से निकला, वातावरण राममय हो उठा। तू न संभाले तो मुझे कौन संभाले... हनुमान! की पुकार ने हर श्रोता के भीतर छिपे भावों को जागृत कर दिया। मनवा रे मनवा, जीवन है संग्राम... भज ले राम-राम... इन पंक्तियों में उन्होंने जीवन का वह सार प्रस्तुत किया, जो हर युग में प्रासंगिक है। उनके सुरों में केवल मधुरता नहीं, बल्कि एक गहरी आस्था और समर्पण था।

मंदिर परिसर में इतनी भीड़ उमड़ी कि आंगन छोटा पड़ गया। लोग छतों पर बैठे, एलईडी स्क्रीन के बाहर खड़े होकर भी इस प्रस्तुति का आनंद लेते रहे।

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भी एलपीजी की सतत आपूर्ति को सुनिश्चित किया

पटना। दुनिया भर में ऊर्जा के संकट के बीच ईंधन की उपलब्धता बाधित हुई है, और कई क्षेत्रों में ईंधन की जबरदस्त कमी आ गई है। इस बीच भारत ने अपने घरों के लिए एलपीजी की सुलभता को जारी रखा है और बाहरी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बड़े पैमाने पर स्थिरता को सुनिश्चित किया है। भारत अपनी एलपीजी की 60 फीसदी जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए वैश्विक आपूर्ति के केंद्रीकरण को देखते हुए, सरकार ने आपूर्ति सुरक्षित करने और घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए तेजी से कदम उठाए। घरेलू उत्पादन बढ़ाने और कई भौगोलिक क्षेत्रों से सोर्सिंग में विविधता लाने जैसे उपायों ने सुनिश्चित किया कि आपूर्ति स्थिरता से होती रही। यही कारण है पूरे देश में एलपीजी का वितरण बड़े पैमाने पर जारी है; 1 मार्च 2026 से अब तक 18 करोड़ से ज्यादा सिलेंडर डिलीवर किए जा चुके हैं और रोजाना 60 लाख से ज्यादा सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। डिलीवरी का औसत समय लगभग तीन दिन बना हुआ है। हालांकि कुछ स्थानों पर उपभोक्ताओं को सिलेंडर की डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा है। ये मामले ज्यादातर स्थानीय और अस्थायी रहे हैं, जो मांग में अचानक बढ़ोतरी और लास्ट-माईल ऑपरेशनल परेशानियों की वजह से आए। इन समस्याओं को तुरंत हल करने के लिए वितरण को सुव्यवस्थित करने, डिलीवरी के समय को बेहतर बनाने और बुनियादी स्तर पर निगरानी को मजबूत बनाने के लिए खास कदम उठाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि आपूर्ति में कोई बड़ी रुकावट नहीं आई है, और सभी डिस्ट्रीब्यूटरशिप में एलपीजी की उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ लगातार निगरानी और तालमेल की वजह से कामकाज सुचारू रूप से चल रहा है। इसके साथ ही, सरकार ने उपभोक्ताओं को वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए सोच-समझकर कदम उठाए हैं। परिवारों पर, विशेष रूप से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर, इसका असर सीमित रखा गया है, जो किफायती दाम पर एलपीजी उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

# ZEE5 ने अपनी नई फिल्म एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा का ट्रेलर जारी किया

ठाणे। ZEE5 ने अपनी आने वाली फिल्म एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा का ट्रेलर जारी कर दिया है। यह एक स्टाइलिश मर्डर मिस्ट्री फिल्म है, जिसे अपलॉज एंटरटेनमेंट और मिथ्या टॉकीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म के लेखक और निर्देशक प्रसिद्ध फिल्ममेकर और अभिनेता रजत कपूर हैं। यह फिल्म सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और 10 अप्रैल से हिंदी ZEE5 पर स्ट्रीम होगी। इस फि ल्म में नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले और जबरदस्त परफॉर्मर कलाकारों की एक दमदार टीम है – जिसमें विनय पाठक, रणवीर शौरी, वालुशा डिसूजा, सौरभ शुक्ला, नील भूपालम, कोयल पुरी, चंद्रचूड़ राय, पालोमी घोष और खुद रजत कपूर शामिल हैं। यह फि ल्म एक क्लासिक हूडनिट वाली कहानी है, जिसे एक बिल्कुल नए, आज के जमाने के और थोड़े गहरे-मजेदार नजरिए से दिखाया गया है।

कहानी के केंद्र में सोहराब हांडा (विनय पाठक द्वारा अभिनीत) हैं, एक तीखी जुबान वाला, बदतमीज और घमंडी व्यक्ति, जिसकी चुभती बातों और निडर अहंकार की वजह से वह किसी भी कमरे में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करता है। लोग उसकी ईमानदारी के लिए उसे सहन करते हैं, लेकिन उसकी घमंड भरी आदतों से उसे अंदर ही अंदर नापसंद करते हैं। सोहराब को दूसरों को परेशान करना और उनकी भावनाओं को चुनौती देना पसंद है। दोस्तों और परिवार के बीच निजी आउटस्टेशन समारोह के दौरान शुरू हुआ यह माहौल सहज हंसी-मजाक, बेहिसाब पेय और खेल-कूद से भरा था, लेकिन जल्द ही असहजता में बदल जाता है। रात में सोहराब की निर्मम हत्या हो जाती है, और खुशमिजाज माहौल पूरी तरह बदल जाता है। अब शक, पुरानी नाराजगी और नैतिक असहजता सामने आती है। जांच में यह साफ हो जाता है कि जबकि हर कोई सोहराब हांडा को प्यार करता दिखता था, कई लोगों के पास उसे चुप कराने के कारण थे।

फिल्म में तेज-तर्रार संवाद, गहरी अभिनय शैली और छिपी सच्चाइयों से भरा माहौल है। एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा मर्डर मिस्ट्री को एक नए, दिमागी और दिलचस्प अंदाज में पेश करती है। यह दर्शकों को सिर्फ अपराध सुलझाने के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों, छिपी सच्चाइयों, दोस्ती और छुपे हुए मकसदों का सामना करने के लिए भी आमंत्रित करती है।

लेखक-निर्देशक रजत कपूर ने कहा, मुझे जॉनर सिनेमा में बहुत रुचि है और मैं उन सभी तरह की फि ल्में करना चाहता हूँ। इस बार मुझे हूडनिट ने आकर्षित किया। जो चीज मुझे आकर्षित करती है, वह सिर्फ हूडनिट की प्रक्रिया नहीं, बल्कि वह भावनात्मक हिंसा है जो शारीरिक हिंसा से पहले होती है। और कई मायनों में, यह फिल्म केवल एक हूडनिट से आगे जाती है। ये ऐसे लोग हैं जो एक-दूसरे को मुस्कुराते हैं, साथ में पीते हैं, मिलकर जश्न मनाते हैं – असल में, ये दोस्त और परिवार के लोग ही हैं। लेकिन बहुत कुछ ऐसा है जो अनकहा रहता है। जब यह चुप्पी आखिरकार टूटती है, तो अजीब घटनाएँ घटित होती हैं। और फिर हमने एक उत्कृष्ट कलाकारों की टीम को एक साथ लाने का काम किया। हर फ्रेम में 15 से ज्यादा बेहतरीन कलाकारों के साथ फि ल्म शूट करना कितना सुखद अनुभव है।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से 3 बाइक सवार गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जासोपुर गांव के समीप गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ, जब तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस को सूचना देकर सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। घायलों की पहचान अमन (18 वर्ष), इब्राहिम शाह (65 वर्ष) और सभाजीत (40 वर्ष) के रूप में हुई है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने तीनों की हालत नाजुक बताई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

## पीयू विधि के विद्यार्थियों ने न्यायालय में किया भ्रमण

जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के बीएएलएलबी (आनर्स) कोर्स के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की टीम का गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायालय जौनपुर में भ्रमण कार्यक्रम दत्तोपंत ठेंगड़ी विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र के तत्वाधान में आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं की टीम ने जिला एवं सत्र न्यायालय, अपर जिला जज न्यायालयों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पारिवारिक न्यायालयों एवं मजिस्ट्रेट न्यायालयों में भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सभी न्यायालयों की विभिन्न कार्रवाइयों से अवगत हुए तथा उनकी बारीकियों को सीखा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें विधि के विभिन्न विषयों का निर्देशन दिया तथा टीम को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। उक्त भ्रमण कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की टीम के साथ विधि संस्थान के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. इंद्रजीत सिंह एवं डॉ. शुभम सिंह उपस्थित रहे।

# सैमसंग गैलेक्सी A57, A37 पर कैशबैक और ईएमआई ऑफर्स

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने नए गैलेक्सी A57 5G और गैलेक्सी A37 5G स्मार्टफोन की बिक्री 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि नई अ सीरीज खासतौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिसमें एक टिकाउ एवं आकर्षक स्लिम डिजाइन में बेहतर कैमरा, दमदार परफॉर्मेंस और एआई फीचर्स का संयोजन मिलता है।

गैलेक्सी A57 5G तीन रंगों–ऑसम नेवी, ऑसम आइसीब्लू और ऑसम लिलैक–में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 8GB/256GB वेरिएंट के लिए 56,999 रुपए और 12GB/256GB वेरिएंट के लिए 62,499 रुपए रखी गई है। वहीं, गैलेक्सी A37 5G ऑसम लैवेंडर, ऑसम ग्रेग्रीन और ऑसम चारकोल रंगों में आएगा, जिसकी शुरूआती कीमत 8GB/128GB वेरिएंट के लिए 41,999 रुपए, 8GB/256GB वेरिएंट के लिए 47499 रुपये और 12GB/256GB वेरिएंट के लिए 52999 रुपये है।

इन स्मार्टफोन्स को और आकर्षक बनाने के लिए सैमसंग कई खास ऑफर्स दे रहा है। 36,999 रुपये से शुरू होने वाली कीमतों पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अपग्रेड बोनस मिलेगा। वहीं, 38,999 रुपये से शुरू होने वाले वेरिएंट्स पर बैंक या यूपीआई पेमेंट करने पर 3,000 रुपये का कैशबैक दिया जा रहा है। इसके अलावा, 24 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी उपलब्ध है, जिसमें 3,000 रुपये का अपग्रेड बोनस शामिल है और ईएमआई सिर्फ 1,625 रुपये प्रति माह से शुरू होती है, जिससे इन डिवाइसेज को खरीदना और भी आसान हो जाता है। ग्राहक गैलेक्सी A57 और गैलेक्सी A37 5G को ट्रिपल जीरो स्कीम के तहत खरीद सकते हैं, जिसमें बिना डाउन पेमेंट, बिना ब्याज और बिना झंझट की सुविधा मिलती है। ये स्मार्टफोन सैमसंगडॉटकॉम, सैमसंग के एक्सक्लूसिव और पार्टनर स्टोर्स के साथ-साथ अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे। गैलेक्सी A57 5G और गैलेक्सी A37 5G को मजबूत और लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें आगे और पीछे गोरिल्ला ग्लास विक्टस+ की सुरक्षा दी गई है, साथ ही IP68 रेटिंग के चलते ये पानी और धूल से भी सुरक्षित रहते हैं। इसके अलावा, दोनों स्मार्टफोन्स में 6 एंड्रॉयड अपडेट और 6 साल तक सिक्योरिटी अपडेट का सपोर्ट मिलेगा, जिससे यूजर्स लंबे समय तक बिना चिंता के इनका इस्तेमाल कर सकेंगे। नई A सीरीज में एआई आधारित टूल्स जैसे सैमसंग बिक्सबाय, जेमिनी और परप्लेक्सिटी को शामिल किया गया है, जो रोजमर्रा के कामों को आसान बनाते हैं। सर्कल टू सर्च, डायरेक्ट वॉयसमेल और रियल-टाइम कॉल ट्रांसक्रिप्शन जैसे फीचर्स की मदद से सर्च करना, बातचीत संभालना और कंटेंट से जुड़ना और भी सहज हो जाता है। साथ ही, स्मार्टफोन्स में सैमसंग नॉक्स वॉल्ट दिया गया है, जो डेटा को सुरक्षित हार्डवेयर में स्टोर करता है। यह सिस्टम किसी भी हार्डवेयर-लेवल खतरे पर नजर रखता है और उसे ब्लॉक करने में मदद करता है, जिससे यूजर्स की जानकारी सुरक्षित रहती है। गैलेक्सी A57 5G में एक्सीनोस 1680 प्रोसेसर दिया गया है, जो पिछले मॉडल के मुकाबले 33% बेहतर एनपीयू परफॉर्मेंस और 15% ज्यादा सीपीयू व जीपीयू परफॉर्मेंस देता है।

# पीएम किसान सम्मान निधि सहित उर्वरक एवं अन्य योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री हुई अनिवार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायकों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना, फार्मर रजिस्ट्री तथा आयुष्मान कार्ड के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता एवं तत्परता के साथ सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं की सब्सिडी के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है, उन्होंने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण शीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ समय से मिल सके। इसके लिए गांवों में विशेष शिविर आयोजित हो रहे है उसमें कृषि राजस्व एवं पंचायत विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा रही है। आयुष्मान कार्ड के संदर्भ में उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत कार्ड बनाया जाए और किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रखा जाए।

जिलाधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों से अपील की कि वे जन-जागरूकता बढ़ाते हुए इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही विद्यालयों में पक्षियों एवं छोटे जीव-जंतुओं के लिए पानी की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए और इसे अत्यंत पुण्य का कार्य बताया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी टीम भावना के साथ कार्य करें तथा जनपद के विकास में अपना संपूर्ण योगदान दें। ग्राम स्तर पर योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने निर्देशित किया कि पंचायत सहायकों को समय से मानदेय दिलवाना जाना सुनिश्चित किया जाए।

# शॉर्ट सर्किट से लगी आग, किसान की एक बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

-गुड़िया बिन्द

केराकत, जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। केराकत क्षेत्र के सुरहूरपुर गाँव में गुरुवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट ने एक किसान की मेहनत पर पानी फेर दिया। बिजली के तारों से निकली चिंगारी की चपेट में आने से करीब एक बीघा गेहूं की खड़ी फसल और कुछ बंधा बोझ जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, सुरहूरपुर निवासी ओमप्रकाश पाण्डेय के खेत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों में तेज हवा के चलते अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिंगारी सूखी फसल पर जा गिरी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया।

खेत से आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण और परिजन मौके पर दौड़े। स्थानीय स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन पछुआ हवाओं और गर्मी के कारण आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक उस पर काबू पाया जाता, तब तक पूरी फसल जल चुकी थी।

## मड़ियाहूं में अखिल भारतीय मुशायरा व कवि सम्मेलन, रात भर झूमते रहे श्रोता

मड़ियाहूं , जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। नगर के रजिया कॉम्प्लेक्स में बुधवार की रात उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में अखिल भारतीय मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। भोर तक चले इस कार्यक्रम में कवियों और शायरों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदू एवं मड़ियाहू विधायक डॉ. आरके पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नासिर जौनपुरी के नातिया कलाम से हुआ, जबकि सरस्वती वंदना विष्णु दत्त पांडेय ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के कन्वीनर राशीद हाशमी रहे। मुशायरे में शकील फूलपुरी ने अपने शेर बहुत ही खूबसूरत हो मगर अच्छा नहीं लगता, न हो अगर ओढ़नी सर पर तो सर अच्छा नहीं लगता से खूब वाहवाही बटोरी। रुखसार बलरामपुरी ने जब से वह घर मेरे आने जाने लगे, हर किसी वारोदर मुस्कुराने लगे पढ़कर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। हास्य व्यंग्य के रंग में बिहारी लाल अंबर ने पल्स पोलियो वाले जैसे ही मेरे घर आया, मेरा आप वैसे ही घर से निकल आया सुनाकर ठहाके लगवाए। शकील मुरादाबादी ने मां-बाप की खिदमत में दिलो जान लुटाओ, कुरान का फरमान है तुम इसको निभाओ पढ़कर भावनात्मक माहौल बना दिया। इसके अलावा अकरम जौनपुरी, विभा तिवारी, अब्दुल हक अंसारी, अर्सलान फूलपुरी और नीरज जौनपुरी ने भी एक से बढ़कर एक रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में दो आलम, विनोद जायसवाल, नसीम अहमद, धर्मेंद्र सेठ राजकृष्ण शर्मा, सुरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे। आयोजन की सफलता पर आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

# एसआरएम और एथर एनर्जी के बीच समझौता

मुंबई। देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान 'एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी' और अग्रणी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निमार्ता कंपनी 'एथर एनर्जी' ने आज एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के माध्यम से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र को सीधे शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से जोड़ने वाला 'एथर फोर्ज' नामक देश का पहला अभिनव उपक्रम संस्थान में शुरू किया गया है। इस साझेदारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छात्रों को एथर एनर्जी में छह महीने से एक वर्ष तक की दीर्घकालिक इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इससे छात्र अपनी डिग्री पूरी करते समय ही उद्योग के प्रत्यक्ष कार्य अनुभव और उन्नत कौशल हासिल कर सकेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए एथर एनर्जी के टैलेंट एक्विजिशन प्रमुख आरिफ अहमद शरीफ ने कहा, ҈हमारी कंपनी खुद एक कैंपस इकोसिस्टम से विकसित हुई है। इसलिए युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है। एसआरएम इंस्टीट्यूट के साथ यह पहल छात्रों को उद्योग के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करेगी। एसआरएम इंस्टीट्यूट के कुलसचिव (रजिस्ट्रार) डॉ. एस. पोन्नुसामी ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिक वाहन अनुसंधान बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा और टिकाऊ परिवहन (सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट) के क्षेत्र में नए शोध सामने आएंगे। इस समारोह में दोनों संस्थानों के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रोफेसर और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## 'कांग्रेस भाड़ में जाए' बोलने वाली पार्षद रुबीना खान को पार्टी से बाहर करने की तैयारी

इंदौर। नगर निगम परिषद के सम्मेलन में वंदे मातरम के गान से शुरू हुआ विवाद अब महिला पार्षद को पार्टी से बाहर करने तक पहुंच गया है। बुधवार को रुबीना इकबाल खान के बिगड़े बोल के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने उन्हें पार्टी से बाहर करने की सिफारिश कर दी है। इस बीच शहर कांग्रेस ने घोषणा की है कि हर बैठक और आयोजन में राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के साथ राष्ट्रगान अनिवार्य रूप से होगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चौकसे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा है। इसमें पार्षद रुबीना खान को पार्टी से निष्कासित करने की सिफारिश की गई है। चौकसे शहर कांग्रेस अध्यक्ष के साथ निगम में प्रतिपक्ष के नेता भी हैं। हालांकि चौकसे ने वंदेमातरम् नहीं गाने वाली पार्टी की दूसरी पार्षद फौजिया शेख अलीम पर किसी तरह की कार्रवाई के लिए नहीं कहा है। मामले में चौकसे ने स्पष्ट किया कि पार्टी से निष्कासन की सिफारिश दरअसल पार्षद रुबीना खान के पार्टी विरोधी बयान के लिए की गई है।

उन्होंने सदन में यह कहा था कि 'कांग्रेस पार्टी भाड़ में जाए'। इस पर निर्णय प्रदेश कांग्रेस को लेना है। साथ ही चौकसे ने कहा कि अब हर छोटी-बड़ी बैठक व आयोजन में राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान दोनों होंगे। गुरुवार 9 अप्रैल को क्षेत्र-दो की बैठक से इस पर अमल भी शुरू कर दिया गया है। दूसरी ओर वंदेमातरम को लेकर छिड़े विवाद पर कांग्रेस नेताओं का रुख भी बंटा हुआ नजर आ रहा है। पार्षद रुबीना इकबाल खान को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो राष्ट्रधर्म नहीं निभा सकते और वंदे मातरम् नहीं बोल सकते वे जाएं भाड़ में और पाकिस्तान जाकर बसें। उन्होंने पार्षद रूबीना खान के बयान को भाजपा के साथ मिल कर किया गया खेल बताया। दूसरी ओर कांग्रेस के छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक प्रभारी डॉ. अमीनुल खान सूरी ने कांग्रेस के आयोजनों में वंदेमातरम अनिवार्य करने के निर्णय को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि वंदेमातरम का सम्मान जरूरी है लेकिन इसे अनिवार्य करना गलत है। इधर पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद सज्जनसिंह वर्मा का रुख भी शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे से अलग नजर आ रहा है।

## जम्मू में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 17 मवेशी छुड़ाए, पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल

जम्मू । आर.एस. पुरा, मीरां साहिब पुलिस ने क्षेत्र में हो रही मवेशियों की तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए तस्करों के कब्जे से 17 मवेशियों को मुक्त करवाया। इस दौरान तस्करों द्वारा किए गए पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान रढड गारू राम और एएसआई विपिन कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मीरां साहिब क्षेत्र के मारलिया डाक बंगला स्थित गुर्जर बस्ती में मवेशियों की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां कुख्यात तस्कर बबलू अपने साथियों के साथ ट्रक में मवेशी लाद रहा था। पुलिस को देखते ही तस्करों और उनके सहयोगियों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया और गोली भी चलाई। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस हमले में दो पुलिसकर्मी पत्थर लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN 2026- 27
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
80094 80093
असिस्टेंट मैनेजर
मो० राफे शमीम
(M.B.A)
निकट- करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

मो. 7897031065, 9889373010
लालमनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर
स्थान- मेडिकल कॉलेज के सामने, सिद्दीकपुर, जौनपुर.
हमारे अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. दिलीप कुमार सरोज MBBS-M.S. ORTHO हड्डी रोग विशेषज्ञ • On Call
डॉ. चंचला मिश्रा MBBS-M.S. स्त्रीरोग विशेषज्ञ • सुबह 10 से शाम 4 तक
डॉ. दिनेश कुमार MBBS.MD. (GENERAL MEDICINE) IMS - BHU 24 घण्टे
डॉ. प्रभाकर उपाध्याय MBBS-M.S. (जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. सुनील दुबे MBBS-M.S. (जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. अरविन्द कुमार यादव MBBS-M.D. बाल रोग विशेषज्ञ • प्रतिदिन
उपलब्ध सुविधाए-
• OT (MODULAR OT) • VENTILATOR • DIGITAL X-RAY • PATHOLOGY
• ICU • ABG • BiPAP • ECG

ISO 9001: 2015 CERTIFIED
आशीर्वाद हॉस्पिटल
डा. विनोद कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस. ( आर्थो सर्जन )
ट्रामा एण्ड ज्वाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
दूरबीन (Arthroscopy) विधि द्वारा Ligament Repair (ACL, PCL, Etc.) की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत समस्त रोगों का नि:शुल्क इलाज
Policetechnical Chauraha, Jaunpur
9415287571, 8953320461
9838639567, 7839059070
जनपद का प्रथम जापानी तकनीकी से निर्मित अध्यायुविक IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) सेन्टर
ASHIRWAD IVF & FERTILITY CENTER
Embrance Your Life's Most Precious Gift
डा. अन्जू कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस.कन्सलटेन्ट आब्सटेट्रिक्स &
गायनकोलोजिस्ट एण्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट
इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पता : पालिटेक्निक चौराहा, जौनपुर

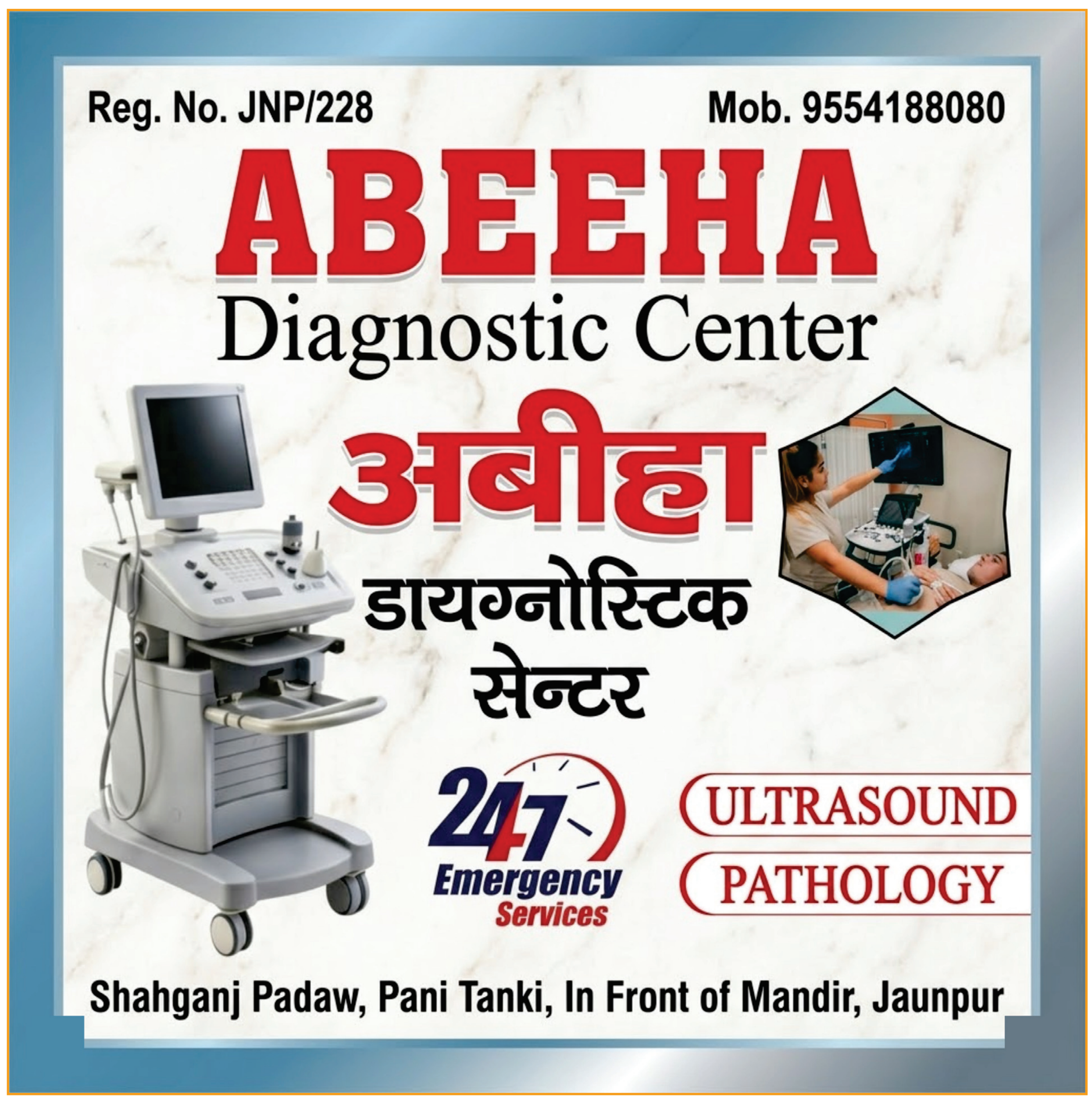
Reg. No. JNP/228
Mob. 9554188080
ABEEHA
Diagnostic Center
अबीहा
डायग्नोस्टिक सेन्टर
24/7 Emergency Services
ULTRASOUND
PATHOLOGY
Shahganj Padaw, Pani Tanki, In Front of Mandir, Jaunpur

EPS EDEN PUBLIC SCHOOL
C.B.S.E. AFFILIATED (10+2) ENGLISH MEDIUM
Nursery to IX & XI Science, Commerce & Art
नूरजहाँ गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल
2026-27 ADMISSION OPEN
Founder/Chairmain
Pervez Alam (Bhutto)
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

नया सत्र
Educate A Girl.... Educate A Family....
Best Educationist Award by Deputy CM Shri Brajesh Pathak
मॉडर्न कान्वेंट स्कूल
कक्षा- नर्सरी से 11 तक
अंग्रेज़ी माध्यम
Established Since 1999
With good quality of education
E-mail: modernconventschool007@gmail.com
www.mcsshools.com
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
7518714123 8960117268 7007016231
प्रबंधक
डॉ0 आबिद खान
निकट- हबीब हॉस्पिटल के पास खेतसाराय, जौनपुर

# जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

फ्रैक्चर, गठिया, कमर दर्द ऑर्थराइटिस, कूल्हाघुटना प्रत्यारोपण इत्यादि रोगों का इलाज

सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन ट्यूमर का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा बच्चे की जाँच नार्मल डिलीवरी इत्यादि रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050



# त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एक्सरे, ई.सी.जी. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- नवजात शिशु, हाई रिस्क ओपीडी (प्रत्येक शनिवार) अत्यन्त अल्पविकसित नवजात व गम्भीर स्थिति से भर्ती नवजात के मानसिक एवं शारीरिक विकास का आकलन व उपचार।
- अल्पविकसित नवजात शिशु को एक बार अवश्य दिखाएं।

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी नसों में शूनपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | Youtube @TribhuvanSinghMemorialHospital



Affiliation Code- 2134064 | 2026-27 ADMISSION OPEN | Schooll Code- 72085

# NEW DELHI PUBLIC SCHOOL

Shaping Generations

NURSERY ONWARDS
Affiliated to CBSE New Delhi
LEARNING BY DOING

Our Facilities
- Qualified Teachers
- Group Activities
- Quality Education
- Creative Learning

YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION

Mob.: 9170993826, 7269081017
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101



Reg.No.- CMEE2134134
# SALVATION HOSPITAL
# साल्वेशन हॉस्पिटल
A Unit of Salvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे NH-56) से 400 मीटर दूरी पर
ECHS

प्रतीक श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर)
डा. विवेक श्रीवास्तव एम.डी. (फिजिसियन) Fellposnia in Ots & Gyana Fellbeship in Dielysis Meirber of Indian Medical Association
डा. प्रियंका श्रीवास्तव B.A.M.S. स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. अमित कुमार गौरव
डा. संदीप राय
डा. संतोष कुमार मौर्य
डा. उज्ज्वला

सुविधाएँ-
- वेन्टीलेटर वाईपैप की सुविधा
- ICU भर्ती उपलब्ध
- अल्ट्रासाउण्ड, एक्स-रे
- पैथोलॉजी/ ECG

- हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
- आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
- दांतो की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। • आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
- TPA/Insurance Company के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।

परामर्श हेतु संपर्क करें- 9138828283, 8686867547, 7742913338
www.thesalvationhospital.com | salvationhospital@gmail.com | Salvationhospital
24/7 Emergency Services | नोट- डी.एम.गेस्ट्रो, कार्डियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नम्बर लगायें।



# अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथैरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

24/7 Emergency Services

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई) स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई) रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह M.S.M.C.H.
डा0 रवि प्रकाश सिंह M.S. (Ortho)
डा0 प्रभात सिंह M.D.( Medicine)
डा0 सुमित कुमार सिंह M.D.( Neuro Psychiatrist)

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086, 8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर



# AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

Vakrangee Kendra | ATM

- Withdrawal & Deposit Money from All Bank ( ATM & Adhaar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services
- Aadhar Card Correction Online

Card nahi? Scan Karo, Paisa Nikalo!

प्रो0- मो0 आसिफ | 7860303530, 9616636079
उप- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक | मो0- 9695970605

www.uttarshaktinews.com | UTTAR SHAKTI TV NEWS | E Mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com | Uttar Shakti News Jaunpur

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0 प्र0)